E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -102 | प्रयागराज, शनिवार 28 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

इजराइल बोला- खामेनेई को जंग में खत्म करना चाहते थे,अमेरिकी रक्षा सचिव बोले- ईरानी न्यूक्लियर प्रोग्राम तबाह किया

नयी दिल्ली। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते।' काट्ज ने कहा, 'इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था।' काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, उन्होंने जवाब दिया, 'हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है।' वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने दोहराया है कि 22 जून को उसके हमले से ईरान के न्यूक्लियर ठिकानें पूरी तरह से तबाह हो गए। हेगसेथ ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ डिफेंस डिपार्टमेंट के हेडक्वार्टर पेंटागन में ईरान हमले पर मीडिया को संबोधित किया। हेगसेथ ने कहा, 'ईरान पर अमेरिका का हमला ऐतिहासिक रूप से सफल हमला था।' हेगसेथ ने उस खुफिया रिपोर्ट की जानकारी देने के लिए पत्रकारों को फटकार लगाई, जिसमें कहा गया था कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम को हमलों से मामूली नुकसान पहुंचा है।अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए कूटनीतिक तरीकों पर चर्चा हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने बैठक के दौरान कहा था कि ईरान को लेकर पाकिस्तान की समझ बाकी देशों से बेहतर है।ईरान की तीन परमाणु साइटों पर अमेरिकी हमलों को लेकर गुरुवार को सीनेट के सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई। यह ब्रीफिंग बंद कमरे में हुई। यह गोपनीय ब्रीफिंग सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने दी। पहले यह ब्रीफिंग मंगलवार को होनी थी।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत का अभी कोई प्लान नहीं है। एक टीवी इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि हम अभी यह तय कर रहे हैं कि अमेरिका से बातचीत हमारे हित में है या नहीं। उन्होंने बताया कि इससे पहले पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि अगले हफ्ते दोनों देशों के बीच बातचीत होगी।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि इजराइल के साथ 12 दिन चले युद्ध में ईरान की परमाणु साइटों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। सरकार अब इस नुकसान का आकलन कर रही है। ईरान के सरकारी टीवी से बात करते हुए अराघची ने कहा कि इस नुकसान के मुआवजे की मांग को डिप्लोमैटिक एजेंडे में शामिल किया गया है।मीडिया ब्रीफिंग के दौरान हेगसेथ और केन ने ईरान पर हमले को 15 सालों की स्टडी और प्लानिंग का नतीजा बताया। उन्होंने बंकर बस्टर बम की टेस्टिंग का वीडियो भी दिखाया, जिसे पहाड़ों में गहराई तक घुसने के लिए डिजाइन किया गया था। केन ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के फोर्डो साइट में बम गिराने के लिए एंट्री पॉइंट के तौर पर दोनों वेंटिलेशन शाफ्ट को निशाना बनाया। ईरानियों ने दोनों वेंटिलेशन रूट के ऊपर बड़े कंक्रीट स्लैब रखे थे। अमेरिकी सेना ने पहला बम कंक्रीट स्लैब को नष्ट करने के लिए गिराया गया। उसके बाद चार बमों को फोर्डो के अंडरग्राउंड न्यूक्लियर साइट के अलग-अलग हिस्सों क नष्ट करने के लिए मेन शाफ्ट पर थोड़े अलग कोणों से गिराया गया। केन ने कहा कि परमाणु ठिकानों पर नुकसान का आकलन करना उनका काम नहीं है। हालांकि, बम गिराने वालें 2-विमानों के पायलटों ने बताया कि बम गिराए जाने के बाद जिस तरह आग की लपटें उठीं, उन्होंने उससे पहले कभी नहीं देखी थी।अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने 25 जून को दावा किया था कि अमेरिकी हमलों से ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। बस कुछ महीनों के लिए पिछड़ गया है। यह दावा एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। हालांकि, ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इन मीडिया रिपोर्ट्स को 'फर्जी खबरें' करार दिया। ईरान और इजराइल के बीच 13 जून को जंग शुरू हुई थी। 22 जून की सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर बताया कि हमने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सफल हमला किया। उन्होंने करीब 3 घंटे बाद देश के नाम संबोधन में दावा किया कि ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह कर दिए गए हैं। 12 दिनों तक चली जंग के बाद ट्रम्प ने 24 जून को ईरान-इजराइल के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। ईरान में जंग से 627 और इजराइल में 28 लोगों की मौत हुई।

लखनऊ में मोहर्रम से पहले 300 असलहे, 50000 कारतूस मिले,थाने के बगल में हकीम चला रहा था हथियारों की फैक्ट्री,20 बोरियों में भरकर ले गए

लखनऊ। मोहर्रम से एक दिन पहले हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस को हकीम के घर से 300 असलहे और 50 हजार कारतूस मिले। बारहसिंघा की खाल समेत कई आपत्तिजनक चीजें भी मिली हैं। पुलिस 20 बोरियों में कारतूस भरकर ले गई। गुरुवार देर शाम तीन थानों की फोर्स ने हकीम सलाहुद्दीन उर्फ लाला के घर पर छापा मारा। जहां अवैध हथियारों की फैक्ट्री चलती मिली। उसका घर मलिहाबाद थाने से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर है। फिलहाल, हकीम के घर के आसपास और गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। यूपी एटीएस भी एक्टिव हो गई है। मिर्जा गंज निवासी सलाहुद्दीन उर्फ लाला (72) की पत्नी टीचर है। उसकी दो बेटियां हैं- एक नॉर्वे में है और दूसरी लखनऊ में ही इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से बीटेक कर रही है। एडीसीपी जितेंद्र दुबे का कहना है- आरोपी सलाहुद्दीन उर्फ लाला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसके साथियों का पता लगाया जा रहा है। आसपास के लोगों ने बताया है कि उसके घर से ड्रिल मशीनों की आवाज आती रहती थी।पुलिस

के मुताबिक, सलाहुद्दीन उर्फ लाला के घर अवैध रूप से कारतूस और असलहा सप्लाई की सूचना मिली थी। इस पर मलिहाबाद, रहीमाबाद और माल थाने की फोर्स ने गुरुवार देर शाम छापा मारा। यहां सलाहुद्दीन अपनी पत्नी और बेटी के साथ मिला। इसके अलावा ओवैस नाम का युवक भी था। जांच-पड़ताल में सामने आया कि सलाहुद्दीन अवैध हथियारों की फैक्ट्री चला रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सलाहुद्दीन के घर से 20 बोरियों में करीब 50 हजार कारतूस बरामद हुए। वहीं, 300 अवैध असलहे भी मिले हैं। इनमें राइफल, माउजर और पिस्टल शामिल हैं। कुछ विदेशी हथियार भी बरामद हुए हैं, जिन्हें हकीम अपने शौक के लिए रखता था।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सलाहुद्दीन काफी दिनों से अवैध असलहों की पूरे यूपी में सप्लाई कर रहा था। उसका घर थाने के बगल में होने के कारण किसी को शक नहीं हुआ। यहां तक कि पुलिस को भी भनक नहीं लगी।पड़ोस के महमूद अल्ली ने बताया कि यहां 2-4 लोग बैठे रहते थे। अलग-अलग समय पर दूसरे-दूसरे लोग आते थे। वे लोग खूंखार दिखते थे। उन्हें देखकर डर लगता था। गली से निकलने में भी डर लगता था कि ये लोग कुछ कर न दें। ये हकीम दवा बनाने-देने के बहाने यहां पर ऐसा धंधा करता होगा यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।दूसरे पड़ोसियों ने बताया कि किसी मशीन की आवाज घर से आया करती थी। इसने अपने घर में ही किराए पर कमरा बनवा रखे थे। इन कमरों पर आए दिन कोई ना कोई 15 दिन या 20 दिन तक रुकने के लिए आता रहता था।

मोहर्रम का पहला जुलूस इलाहाबाद में:लल्लन नाई इमामबाड़े से निकला अलम

प्रयागराज। मोहर्रम की चाँद रात के साथ इलाहाबाद में हुसैनी मातम का आगाज हो गया। लल्लन नाई इमामबाड़ा, जो शहर की सबसे पुरानी ताजिया कमेटी है, से पहला जुलूस निकाला गया। चाँद दिखते ही नगाड़ों और डोल-ताशे की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा। इमामबाड़े से लल्लन नाई का अलम निकला। मातमी धुनों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु अलम का दीदार करने पहुंचे। जुलूस में बच्चे ई-रिक्शा पर 'या अली! या हुसैन!' के नारे लगा रहे थे। महिलाएं अलम पर फूल चढ़ा रही थीं। जुलूस पारंपरिक मार्ग से होता हुआ कई प्रमुख स्थानों से गुजरा। इनमें दोंदीपुर, सुनारी गली, पांचों कब्र, कांडजु रोड से लेकर पत्थर गली तक शामिल थे। रास्ते में श्रद्धालुओं ने जुलूस का स्वागत किया। उन्होंने अलम का दीदार किया और फूल चढ़ाए। पुलिस प्रशासन ने जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी।अगले 10 दिनों तक शहर के विभिन्न हिस्सों से ताजिया और अलम के जुलूस निकलेंगे।

परिवार को कमरे में बंद कर चोरी,50 हजार नकद और सोने के जेवर पार किए बेटियों की शादी के लिए रखा था सामान

प्रयागराज। घूरपुर इरादत गंज में चोरों ने एक परिवार को कमरे में बंद कर बड़ी चोरी को

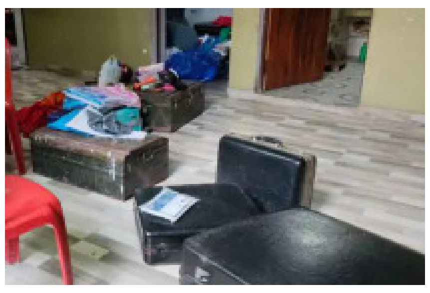

अंजाम दिया। चोरी की घटना रात करीब 3 बजे की है। फुटवियर व्यापारी हिदायत उल्ला के घर में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।घटना उस समय हुई जब परिवार सो रहा था। हिदायत उल्ला की बच्ची की नींद खुली और वह कमरे से बाहर जाने लगी। उसने देखा कि दरवाजा बाहर से बंद था। बच्चों ने परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया। परिवार ने नीचे रहने वाले किरायेदार को फोन किया। किरायेदार ने आकर दरवाजा खोला। जब परिवार बाहर निकला तो कमरा अस्त-व्यस्त मिला। चोरों ने अलमारियां और सारा सामान खंगाल दिया था। चोरी में 15 सोने की अंगूठियां, 10 कान के आभूषण, 3 नेकलेस, 2 सोने के हार और 50 हजार रुपए नकद ले गए। पीड़ित ने यह सारा सामान अपनी बेटियों की शादी के लिए जमा किया था।परिवार ने तुरंत 112 पर सूचना दी। घूरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित परिवार ने थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश का मॉक ड्रिल,अहमदाबाद हादसे के मद्देनजर सभी टीमों ने किया रिहर्सल, राहत-बचाव कार्य जांचा

प्रयागराज। बमरौली एयरपोर्ट पायलट के एसओसीसी (पुलिस

पर आपातकालीन मॉक ड्रिल की गई। हमला, हादसा, आपदा आने पर राहत और बचाव कार्य कैसे करना है इसे लेकर ड्रिल के जरिये जानकारी दी गई। खासकर अहमदाबाद हादसे को लेकर एयरपोर्ट स्टाफ, यात्रियों को हर पहलू पर जागरूक किया गया। आपातकालीन मॉक ड्रिल के मद्देनजर पार्किंग वे पर एक एयरक्राफ्ट को ड्रिल के हिसाब से क्रैश होने की जानकारी दी गई। इसके बाद एयरबस लगाई गई। कंट्रोल) रूम में सूचना देने के बाद राहत कार्य शुरू हुआ।कंट्रोल रूम ने एटीसी, मेडिकल, फायर, एयरपोर्ट मैनेजर तथा विमानपत्तन निदेशक को इमरजेंसी जानकारी दी। एयरपोर्ट पर आपातकालीन अलार्म बजने लगा क्रैश साइट पर सबसे पहले एसएसएफ की क्यूआरटी टीम पहुंची। क्रैश साइट को घेर लिया। फायर ब्रिगेड तथा एम्बुलेंस पहुंची। आग पर काबू पाया गया। घायल को तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया।

अहमदाबाद में जगन्नाथ रथयात्रा शुरू, अमित शाह ने आरती की,पुरी में दोपहर 1 बजे रथ में बैठेंगे भगवान

अहमदाबाद। देशभर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की

रथ यात्राएं निकाली जा रही हैं। अहमदाबाद के जमालपुर स्थित मंदिर में सुबह मंगला आरती हुई। जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और उनका परिवार शामिल हुआ। इस दौरान भगवान को खिचड़ी का भोग लगाया गया। 7 बजे के बाद रथ यात्रा शुरू हुई।अहमदाबाद में भगवान को सुबह 5 से 6 बजे तक तीनों मूर्तियों को रथ पर बैठाया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरुआत की। इसमें रथ के आगे सोने की झाडू लगाई जाती है। रात तकरीबन 8:30 बजे भगवान वापस मंदिर लौटेंगे।वहीं पुरी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ शाम को 4 बजे खींचे जाएंगे। उदयपुर में करीब 80 किलो चांदी के रथ में भगवान सवार होंगे।ओडिशा में दुनिया की सबसे बड़ी रथ यात्रा होती है। सुबह 6 बजे भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती होगी। इसके बाद श्रंगार होगा। फिर खिचड़ी भोग लगेगा। दैनिक पूजा-परंपराओं के बाद सुबह 9:30 बजे भगवान मंदिर से बाहर लाने की विधियां शुरू होंगी। रथों की पूजा कर बलभद्र, बहन सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथ

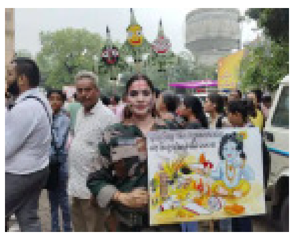

में बैठाया जाएगा।दोपहर 3 बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंह देव रथ के आगे सोने के झाडू से बुहारा लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत करेंगे। इसमें भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ करीब 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। ये उनकी मौसी का घर माना जाता है।राजस्थान में उदयपुर में भगवान करीब 80 किलो चांदी से बने रथ पर बैठकर यात्रा पर

निकलेंगे। यहां जगदीश मंदिर में सुबह 5 बजे मंगला आरती होगी। दैनिक पूजा और अभिषेक के बाद सुबह 10:30 पर श्रंगार आरती और भोग लगेगा। दोपहर में मंदिर की परिक्रमा के बाद 3 बजे रथयात्रा शुरू होगी। ये रथ यात्रा 7-8 किलोमीटर की होती है। इसमें भगवान मंदिर से निकलकर दोबारा मंदिर लौटते हैं।रथ यात्रा की शुरुआत राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पहिंद रस्म अदा करने के बाद की है। भगवान जगन्नाथ का पहला रथ मंदिर से निकला, इस साल रथ यात्रा 10 मिनट पहले शुरू हुई। हर साल भगवान जगन्नाथजी का पहला रथ सुबह 7.10 बजे निकलता है, लेकिन इस साल भगवान जगन्नाथ का पहला रथ सुबह 6.56 बजे मंदिर के बाहर लाया गया। बारिश के बीच रथ यात्रा शुरू हुई है। भगवान बलराम का दूसरा रथ जमालपुर मंदिर से निकल चुका है।इस साल पहली बार भगवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। रथयात्रा में 18 हाथी, भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले 101 ट्रक, 30 अखाड़े, 18 भजन मंडलियां और 3 बैंड दल शामिल होंगे। हरिद्वार, अयोध्या, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी और सौराष्ट्र से करीब 2500 संत भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।तीनों भगवान को रथ में बैठाया गया है।

भगवान जगन्नाथ के बाद भाई बलराम को तालध्वज रथ, फिर बहन सुभद्राजी को देवदलन रथ में बैठाया गया। दर्शन के लिए जमालपुर जगन्नाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ है। रथ में विराजमान भगवान की तस्वीरें लेने के लिए लोगों की भीड़ देखी जा रही है।अहमदाबाद में भगवान की आंखों से पट्टी हटाने की रस्म निभाई गई। नेत्रोत्सव की रस्म निभाने के बाद भगवान की आंखों पर पट्टी बांधी गई। भगवान के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त जगन्नाथ मंदिर पहुंचे हैं।

देवियों और सज्जनों... फोन लगाते ही आज से नहीं सुनाएगी देगी अमिताभ बच्चन की ये आवाज

नयी दिल्ली। आज से आपको साइबर क्राइम के बारे में सतर्क करने वाली बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आवाज वाली कॉलर ट्यून नहीं सुनाई देगी. सूत्रों के अनुसार इस कॉलर ट्यून को आज से हटाने का फैसला किया गया है. ये कॉलर ट्यून आपको तब सुनाई देती थी जब आप अपने किसी को जानकार को फोन करते थे तो आपको रिकॉर्डेड मैसेज सुनाई देता था. दरअसल, ये कॉलर ट्यून सरकार के उस अभियान का हिस्सा था जिसे साइबर ठगों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा था. अब चुकि ये अभियान खत्म हो गया है तो इस वजह से सरकार ने इस कॉलर ट्यून को भी हटाने का फैसला किया है. आपको बता दें कि इस कॉलर ट्यून को लेकर बीते कुछ समय से कई लोग सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी शिकायत कर रहे थे. शिकायतकर्ताओं का कहना था कि आपातकालीन स्थिति में किसी को कॉल लगाने के कर्म में इसके होने की वजह से ज्यादा समय लग जाता है. कई लोगों ने तो इस ट्यून को लेकर अमिताभ बच्चन को भी ट्रोल किया था. अपनी ट्रोलिंग के जवाब में अमिताभ बच्चन ने कहा था कि जो कहना है सरकार से कहो, हमें जो कहा सो हमने किया.

'हर दिन बम गिरते थे, हम सिर्फ दुआ करते थे':ईरान से लखनऊ लौटे छात्रों की आंखों में आंसू

लखनऊ। प्रयागराज के शाहबाज नकवी की कहानी

और भी दिल दहला देने वाली है। उनका परिवार जिसमें उनकी मां, बहन, दादी और कई टीवी व अस्थमा के मरीज थे 13 जून को ईरान से लौटने वाले थे। लेकिन उसी दिन हमला हो गया और फ्लाइट बंद हो गई।शाहबाज ने कहा- 'मुझे लगा, अब शायद कभी अपनी मां की आवाज नहीं सुन पाऊंगा।' उन्होंने भारतीय एंबेसी से संपर्क किया और 18 जून को उन्हें राहत मिली। बोले 'वो पलष्ठ जब एंबेसी का मैसेज आया, लगा जैसे मौत के मुंह से किसी ने खींच लिया है। शाहबाज के चाचा सैयद शफकत नकवी ने भी बताया, 'हम 20 दिन वहां ऐसे फंसे रहे जैसे 20 साल बीत गए हों। हमारे परिवार में ज्यादातर लोग बीमार हैं और वहां हर दिन बम गिरते थे। अब जब वतन की मिट्टी छुई है, तो असली सुकून मिला।'

देश में सामान्य से 12फीसदी ज्यादा बरसात,आज सभी राज्यों में बारिश का अलर्ट,हिमाचल-जम्मू में बादल फटने से 8 की मौत

नयी दिल्ली। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।मौसम विभाग

से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है।इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे।वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है।मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में की लेटेस्ट बुलेटिन के अनुसार, अगले 2 दिन देश के 23 राज्यों में तेज बारिश होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, बिहार, केरल, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा शामिल हैं।हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और धर्मशाला में 24 जून को बादल फटने से लापता हुए 8 लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। ये लोग बादल फटने के बाद आई बाढ़ में बह गए थे। इनकी तलाश में लगातार तीसरे दिन रेस्क्यू ऑपरेशन चलेगा। प्रशासन के मुताबिक कुल्लू के 3 और धर्मशाला से 5 लोग लापता हैं। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक 30 जून तक प्रदेश में बारिश से राहत के आसार नहीं है।

जारी बाजार में पत्रकार को पिस्टल से धमकाया,कार सवार दंपती ने बीच-बचाव करने पर दी जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी बाजार में एक पत्रकार को कार सवार दंपती ने पिस्टल से धमकाने कार से पिस्टल निकाली और शैलेंद्र की कनपटी पर सटा दी। उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। मौके पर

का मामला सामने आया है। घटना जारी पुलिस चौकी से मात्र 500 मीटर की दूरी पर हुई।घटना करछना रोड तिराहे की है। रात 8 बजे के आसपास एक कार सवार दंपती और ऑटो ड्राइवर के बीच रांग साइड को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक हिंदी दैनिक के पत्रकार शैलेंद्र गुप्ता ने बीच-बचाव का प्रयास किया। इस पर कार सवार दंपती भड़क गए।दंपती ने गाली-गलौज करते हुए मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। भीड़ जुटने लगी तो दंपती मौके से फरार हो गए।एसीपी कौंधियारा विवेक यादव ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सिंह को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी दंपती की तलाश में जुटी है।

पटपर घाट पर पुलिस की लापरवाही,ड्यूटी के दौरान दरोगा कुर्सी पर सोए, सैलानियों की सुरक्षा दांव पर

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के पटपर घाट पर तैनात उप

निरीक्षक रामानंद सिंह यादव ड्यूटी के दौरान सोते हुए पाए गए। पटपर घाट वर्तमान में सैलानियों का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां लोग पाटीलेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन के बाद टोंस नदी में स्नान करते हैं। इस स्थान पर अक्सर सैलानियों के बीच विवाद और डूबने की घटनाएं होती रहती हैं। इसी कारण थाना कौंधियारा प्रभारी ने घाट पर सिपाहियों और उप निरीक्षक की तैनाती की थी। उनका मुख्य कार्य सैलानियों को नदी की मध्य धारा में जाने से रोकना था। सैलानियों के अनुसार, उप निरीक्षक एक घंटे से अधिक समय से सो रहे थे। इस दौरान अन्य तैनात सिपाही पाटीलेश्वर महादेव मंदिर में छांव में बैठे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि कौंधियारा थाने की पुलिस सैलानियों की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं है। यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि पुलिसकर्मियों की लापरवाही से सैलानियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यदि कोई दुर्घटना होती है तो यह कौंधियारा पुलिस विभाग के लिए गंभीर विषय होगा।

पति के मौसेरे भाई के साथ भागी दुल्हन,दूल्हे ने ही कराई थी पहली मुलाकात, प्रयागराज में सुहागरात पर धमकाने वाली दुल्हन की कहानी

प्रयागराज। सुहागरात पर दूल्हे को काट डालने की धमकी देने वाली दुल्हन की कहानी में नया मोड़ आ गया है। सितारा के जिस बॉयफ्रेंड अमन को विलेन माना जा रहा था, वो उसके पति कप्तान का ही दोस्त निकला। दोनों ने एक साथ प्रयागराज से आईटीआई की पढ़ाई की। रिश्ते में अमन कप्तान की मौसी का लड़का भी है। कप्तान ने ही सबसे पहले सितारा को अमन से मिलवाया था। फिर धीरे-धीरे सितारा और अमन के बीच बातचीत शुरू हुई, जोकि प्यार में बदल गई। मगर 30 अप्रैल, 2025 को सुहागरात पर कप्तान को सितारा और अमन के लव अफेयर का पता चल गया। इसके बाद घर के हालात ऐसे बदले कि सितारा को 30 अप्रैल की आधी रात को ससुराल की दीवार फांदकर भागना पड़ा। अब सितारा और अमन घर से भागे हुए हैं। सितारा की स्टोरी में 3 किरदार सामने आए हैं। कप्तान ने प्रयागराज से आईटीआई किया। यहां उसके साथ मौसी का लड़का सुभाष और अमन भी पढ़ते थे। तीनों मौसेरे भाई थे, मगर दोस्तों की तरह रहते थे। फरवरी, 2024 में करछना के डीहा में रहने वाले लक्ष्मी नारायण निषाद ने अपनी बेटी सितारा की शादी एडीए कॉलोनी के राम आसरे निषाद के बेटे कप्तान निषाद से तय की। 2 महीने बाद सितारा और कप्तान की मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई। इस वक्त तक सितारा का अमन से कोई कनेक्शन नहीं था। एक दिन कप्तान ने सितारा से कहा कि हमारी शादी होने वाली है, हमें मिलना भी चाहिए। सितारा तैयार हो गई, तो कप्तान ने अपनी मौसी के लड़के अमन से बात की। 3 मई, 2024 को कप्तान के कहने पर अमन करछना के डीहा बाइक पर गया और सितारा को लेकर नैनी के एक रेस्टोरेंट आया। सितारा को छोड़कर अमन वापस चला गया, जबकि कप्तान और सितारा ने एक साथ लंच किया। ये अमन और सितारा की पहली मुलाकात थी। मगर इसके 2 महीने बाद तक सितारा से उसकी कोई मुलाकात नहीं हुई। फिर इसके बाद कप्तान अमन के जरिए अक्सर सितारा को बुलाने लगा। करछना में सितारा के परिवार वाले कप्तान को पहचानने लगे थे, इसलिए वो खुद कभी सितारा को लेने नहीं जाता था। इसी दौरान अमन और सितारा को एक दूसरे का नेचर समझ आने लगा। दोनों अब मोबाइल पर आपस में बातचीत करने लगे। सितारा और अमन घंटों एक-दूसरे से बात करने लगे। दोनों का यह रिश्ता कप्तान से छिपा हुआ था। इस बीच कप्तान और सितारा के परिवार ने दोनों की सगाई 15 दिसंबर, 2024 को कर दी।के दिन अमन बहुत रोया था। सितारा और अमन ने मिलकर तय किया कि अब वो दोनों शादी होने के बाद भी अफेयर में रहेंगे। चूंकि अमन कप्तान की मौसी का ही लड़का था, इसलिए उसके घर आने-जाने पर कोई पाबंदी भी नहीं थी। इस तरह अमन ने सितारा को समझाकर शांत कराया। अब दोनों छिप-छिपकर मिलने लगे। सितारा कप्तान को यह कहकर गुमराह करने लगी कि हमारी सगाई हो चुकी है, अब परिवार को हमारा शादी से पहले मिलना पसंद नहीं आएगा। इसके बाद 29 अप्रैल, 2025 को कप्तान और सितारा की शादी धूमधाम से हुई। 30 अप्रैल को विदाई हुई और दुल्हन घर आ गई। कप्तान के मुताबिक, सुहागरात पर सितारा घूंघट के अंदर चाकू लेकर बैठी थी। उसने कप्तान को धमकी दी- अगर मुझे टच भी किया, तो 35 टुकड़ों में मिलोगे। मैं अमन की अमानत हूंष्ठ। इस धमकी के बाद कप्तान सहम गया। क्योंकि तब तक उसको सितारा के लव अफेयर के बारे में नहीं मालूम था। कप्तान के मुताबिक, सितारा ने चाकू दिखाकर उसको अगली 3 रातों तक अपने करीब नहीं आने दिया। दहशत और बेइज्जती के साए में पति बंद कमरे में घुटता रहा। दुल्हन के ड्रामा के बारे में 3 मई को कप्तान ने अपनी मां को बताया। घर में हंगामा शुरू हुआ, तो दुल्हन ने साफ-साफ कह दिया- मेरा लव अफेयर है, मुझे मेरे बॉयफ्रेंड अमन के पास भेज दो।इसके बाद कप्तान के पिता राम आसरे ने अपने समधी को फोन किया। उनको बुलाया। 25 मई को दोनों परिवारों के लोग एक साथ बैठे। उन्होंने अपनी बेटी सितारा को समझाया, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। फिर एक राजीनामा ही हुआ। जिसमें लिखा गया कि सितारा कहीं नहीं जाएगी, वो कप्तान की बहू बनकर उसके घर में ही रहेगी। अपने बॉयफ्रेंड को भूल जाएगी।मगर यह सब सिर्फ 30 मई तक चला। उस रात अचानक सितारा आधी रात को घर की दीवार को फांदकर भाग गई। एक सीसीटीवी मिला है, जिसमें वह लंगड़ाते हुए जाती दिखी है। परिवार को बाद में पता चला कि सितारा भागकर झूंसी में अपनी मौसी के घर चली गई, यही पर 12 दिन तक छिपी रही। अपने परिवार को भी यह नहीं पता चलने दिया कि वो कहां है? फिर वह करछना में अपने परिवार के पास पहुंची।

डीएम-एसपी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में डीएम ने सभी चौराहों पर हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जानकारी ली। एनएचआई के निर्माणाधीन कार्यों के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि समय से सभी कार्य पूर्ण करा लिए जाए। रोड डायवर्जन के समय सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाए। बारिश के मौसम में ब्लैक स्पॉटों को चिन्हित कर सड़कों की समय से मरम्मत कर ली जाए जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके। स्पीड ब्रेकरों का निर्माण करते समय मानकों का पूरा ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों के अलावा सर्विस रोड की भी मरम्मत कराई जाए। प्रस्तावित आरओबी के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्य तय समय तक हर हाल में पूर्ण करा लें। उन्होंने निर्देश दिया कि ओवर लोडिंग वाहनों की समय-समय पर चेकिंग की जाए। हिट एवं रन मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए और प्रभावित को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र सिंह, पुलिस, लोक निर्माण, प्रवर्तन, नगर पालिका, शिक्षा और परिवहन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नगर के व्यापारियों ने किया जोरदार स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रभाकर गुप्ता का नगर के व्यापारियों ने जोरदार स्वागत किया। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता प्रदेश मंत्री सोनू वर्मा एवं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल संदीप जैन एवं नगर अध्यक्ष केके गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों से संपर्क के अभियान में निकले नए अध्यक्ष का मलिक मऊ रोड पर व्यापारी रोशन नंदवानी, बेलीगंज फाटक पर महेश नारायण अग्रवाल, बुक मार्केट में स्वप्निल कसौधन स्टेशन रोड पर शिखर श्रीवास्तव, अमर जायसवाल आशीष जैन ओंकार गुप्ता पंकज गुप्ता आदि विशंभर मार्केट में अंजनी गुप्ता, गुरजीत सिंह तनेजा केपरगंज में रितेश रस्तोगी यूनियन बैंक की तिराहे पर गीता सिंह विमलेश मिश्रा प्रियंका अवस्थी ने माल्यार्पण पुष्प वर्षा एवं मिष्ठान्न वितरण कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि जिले में व्यापारियों की किसी भी समस्या को हमारा मंडल सदैव अधिकारियों के समक्ष रखकरउनका निराकरण कराया। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला महामंत्री संदीप शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता नगर युवा अध्यक्ष दिलदार रायनी, अब्दुल वाहिद मो शकील आलोक सिंह चंद्रिका शर्मा हरभजन सिंह छाबड़ा सोना सिंह राकेश अग्रहरी धर्मेंद्र शर्मा मुकेश अग्रवाल ओम प्रकाश साहू धर्मेंद्र त्रिवेदी वीरेंद्र सिंह बच्चन लाल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

महिला आयोग की सदस्य ने कन्या जन्मोत्सव व जागरूकता कार्यक्रम समेत वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सदस्य द्वारा वन स्टॉप सन्टर में आवासित पीड़िताओं से उनके कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने उपस्थित मैनेजर आस्था ज्योति व काउंसलर श्रद्धा सिंह से विस्तृत रुप से जानकारी ली गयी। काउंसलर श्रद्धा सिंह द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से महिला आयोग की सदस्य को अवगत कराया गया। सदस्य द्वारा निर्देशित किया गया कि आवासित पीड़िताओं का समस्याओं का समाधान करते हुए अवगत कराये। उन्होंने इसके अतिरिक्त पीड़िताओं/महिलाओं को विधिक, चिकित्सकीय, मानसिक, दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं को नियमानुसार उपलब्ध कराये जाने की सलाह के साथ भोजन के सम्बन्ध मे जानकारी ली गयी। इसके पश्चात महिला आयोग की सदस्य ने महिला थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्पडेस्क पर उपस्थित पुलिस महिला कर्मियों से जानकारी ली तथा रजिस्टरों का अवलोकन भी किया। उन्होंने उपस्थित थाना प्रभारी से कहा कि आने वाले फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण नियमानुसार समय से किया जाना सुनिश्चित करें। इसके बाद बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के दृष्टिगत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महराजगंज में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ महिला आयोग सदस्य ने केक कटवा कर एवं 45 नवजात बच्चियों के माता पिता को बेबी किट वितरण के साथ ही उनको बेटियों के जन्म पर बधाई व शुभकामनायें दी। उन्होंने नवजात माता पिता को कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे जानकारी दी। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी जय पाल वर्मा, महिला थानाध्यक्ष किरन, सरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल सहित अन्य कर्मचारीगणा उपस्थित रहें।

इटावा में यादव समाज के साथ किए गए घृणित कृत्य को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री के नाम उचित कार्यवाही को लेकर सामूहिक रूप सोपा गया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर।यादव समाज के लोगों के प्रति की गई अति संवेदनशील अमानवीय घटना के विरोध में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा मध्य प्रदेश की ओर से सामूहिक रूप से मैहर जिला कलेक्टर को सोपा गया ज्ञापन स्वतंत्र भारत में आज भी कुछ लोग जातिवाद की घटना मानसिकता व विचारधारा से वसित होकर देश के लोगों की आपसी समर्थ भाईचारे को छिन्न भिन्न कर जातिवाद रूपी जहर फैलाकर नष्ट करना चाहते हैं। जिसका जलंत्व उदाहरण है। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के बकेवर थाना क्षेत्र के दादपुर गांव में 22 जून 2025 को घटित गणित घटना जिसमें श्रीमद् भागवत कथा वाचक श्री मुकुटमनी यादव एवं उनके सहयोगियों के साथ सारे या मारपीट जबरन बाल चोटी काटना सभी का सर मुंडन करना तथा नाक रगड़वा कर जातिगत अपमान करने की भी वक्त ग्रहण अमानवीय को मृत का वीडियो बनाकर बहुत ही शर्मनाक तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल किया गया।इन लोगों ने भारतीय संविधान की आत्मा सामाजिक समर्थ आपसी भाईचारे को नष्ट करने एवं देश के संपूर्ण यादव समुदाय को चोट पहुंचाने देश की एकता अखंडता को नष्ट करने व जातिगत जहर घोलने का अपराध किया है इन लोगों के द्वारा भारतवर्ष के देशभक्ति कर्तव्य परायण यादव समुदाय के आत्म सम्मान को सम्मानित करने का निंदनीय कुकृत्य अपराध किया गया।इससे इस कुकृत्य से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ संपूर्ण भारतवर्ष का यादव समाज आहत हुआ है। ऐसे महान लोकतंत्र में ऐसी घणित व विद्वेष रूपी मानसिकता वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर पीड़ित लोगों के साथ-साथ भारतवर्ष के संपूर्ण यादव समाज का अपमान करने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने को लेकर मैहर जिला कलेक्टर को सोपा गया ज्ञापन।

रात के सन्नाटे में बंद मिला पुलिस सहायता केंद्र, डीजीपी के दावों पर उठे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। राजधानी के कृष्णा नगर बल्कि आम नागरिकों के विश्वास को भी ठेस पहुंचाता है। उत्तर प्रदेश

कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कानपुर रोड स्थित बारा बिरवा मुख्य मार्ग पर बना पुलिस सहायता केंद्र बीती रात करीब 1 बजे बंद मिला। सुरक्षा और सहायता के नाम पर स्थापित इस केंद्र के बाहर ताला लगा हुआ था, जबकि यूपी पुलिस 24 घंटे सेवा में तत्पर रहने का दावा करती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग हमेशा व्यस्त और संवेदनशील रहता है, ऐसे में पुलिस सहायता केंद्र का इस तरह बंद रहना न केवल सुरक्षा में चूक है, के पुलिस महानिदेशक (ऊइझ) स्वयं दावा कर चुके हैं कि प्रदेश के किसी भी थाना, कोतवाली, चौकी या सहायता केंद्र में ताले नहीं लगे होते, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पुलिस की इस कार्यशैली से डबल इंजन की भाजपा सरकार की जनहितकारी छवि पर भी असर पड़ रहा है। लोगों का सवाल है कि जब मुख्य मार्ग पर मौजूद सहायता केंद्र रात के वक्त बंद रहेंगे तो आमजन किससे सहायता की उम्मीद करें?

किसान भाई फसलों का बीमा अवश्य कराएः विशाल यादव

दरियापुर कृषि विज्ञान केंद्र में हुआ ख़रीफ़ उत्पादकता मेले/गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कृषि सूचनातंत्र एवं सबमिशन ऑन एग्रिकल्चर एक्सटेंशन योजनांतर्गत जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता किसान मेले का गुरूवार को आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में हुआ। जिसमें अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान एडीएम (न्यायिक) ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी किसान भाई अपनी फसलो का बीमा अवश्य कराए। साथ ही साथ धान की उत्तम प्रजातियों का चयन खेती में करे। जिससे कम लागत लगाकर अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उप निदेशक कृषि विनोद कुमार ने कृषि विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसान बंधु अपनी फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य कराए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में आज ऐसे किसान जो पीएम किसान का लाभ नहीं पा रहे है। वे ईकेवाईसी, आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग,डबल पंजीकरण, आधार कार्ड संख्या में भिन्नता आदि कमियां दूर करा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। ऐसे किसान कार्यालय में आकर या विकास खंड पर जाकर अपना संशोधन करा सकते हैं। पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत आप सभी सोलर पंपों की बुकिंग पोर्टल पर जाकर कर सकते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के वैज्ञानिक डॉ आर के कन्नौजिया ने बताया कि किसान भाई धान की सीधी बुवाई करे जिसमें किसानों को काफी कम खर्च आता है। पानी के साथ साथ श्रम की बचत होती है और कम लागत में अधिक मुनाफा कमा सकते है। डॉ एस बी सिंह ने बताया कि आप सभी आम की अच्छी अच्छी प्रजातियों की खेती करे जिससे अधिक लाभ कमाया जा सके। डॉ आर पी सिंह ने श्री अन्न फसलों की खेती विषय पर किसानों से परिचर्चा की। डॉ के के सिंह ने खरीफ फसलों में मुख्य रूप से दलहनी फसलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में एक किसान को मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत चाभी , तीन किसानों को प्रमाण पत्र, तीन किसानो को स्मॉल गोदाम के प्रमाण पत्र, 6 किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड, 7 किसानों को तिल और श्री अन्न फसलों के बीज मिनीकिट मुख्य अतिथि द्वारा वितरित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के स्टॉल भी कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए। कार्यक्रम में भारी संख्या में किसान भाई,कृषि सखी सहित आमजन मौजूद रहे।

ब्रह्म परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य महिला आयोग की श्रीमती द्विवेदी के जनपद आगमन किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। श्री परशुराम ब्रह्म चेतना

परिषद उत्तर प्रदेश के द्वारा राज्य महिला आयोग की सदस्य माननीय पूनम द्विवेदी के प्रथम रायबरेली आगमन पर सर्किट हाउस में औपचारिक मुलाकात करते हुए सम्मान भी किया । ब्रह्म परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल श्रीमती द्विवेदी के प्रथम जनपद आगमन पर औपचारिक मुलाकात कर उन्हें पुष्प गुच्छ के साथ अंग वस्त्र एवं भगवान परशुराम जी का चित्र मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी, जिला अध्यक्ष राजेश पांडे प्रदेश महामंत्री महिला सुधा अवस्थी,राहुल अवस्थी, पंकज मिश्रा ,सुमित तिवारी के साथ समाज सेवी महेंद्र अग्रवाल के द्वारा भेंट किया गया। प्रतिनिधि मंडल ने रायबरेली जनपद की विभिन्न समस्याओं एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए जनपद के विकास पर चर्चा की गई।

दुर्गेश मिश्रा लोजपा पार्टी के किसान प्रकोष्ठ में नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त हुए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा सोरखा विष्णु नगर कॉलोनी नोएडा सेक्टर 115 निवासी दुर्गेश मिश्रा पुत्र अशोक मिश्रा लोजपा (रामविलास) किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नोएडा महानगर मनोनीत किए गए हैं। उन्हें लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)के प्रदेश अध्यक्ष राहुल त्यागी ने जिलाध्यक्ष नोएडा महानगर के पद पर मनोनीत किया है।मनोनयन के पश्चात जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया जिसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ एडवोकेट धर्मेंद्र मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष राहुल त्यागी जी प्रदेश संगठन महामंत्री विनोद त्यागी एवं प्रदेश के तमाम पदाधिकारी को दिल के गहराइयों से धन्यवाद देता हूं। कहा कि संगठन की मजबूती के लिए निरंतर लगा रहूंगा और विश्वास पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा और जिला स्तर पर नोएडा महानगर में शोषित वंचित लोगो के विकास और पार्टी को मजबूत करने में निरंतर लगा रहूंगा।

अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव निषेध एवं तस्करी रोकथाम दिवस पर आयोजित हुआ विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, के तत्वावधान से अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली के निर्देशन में अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव निषेध एवं तस्करी रोकथाम दिवस एवं नवीन रूप से सृजित इकाई डीएडब्लूएन (Drug Awareness and Wellness Navigation for a Drug Free India) स्कीम-2025 पर रायन इण्टरनेशनल स्कूल, राही रायबरेली में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रधानाचार्य सदफ खान उपस्थित रही तथा उनके द्वारा विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने की सलाह दी गयी तथा समाज में फैलते युवाओं में नशे में रोकने के लिए भी प्रयास किये जाने संदर्भ में भी विद्याथियों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि अनुपम शौर्य, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ऐतिहासिक रूप से नशे से विरत रहने के संबंध में महात्मा बुद्ध के पांचवें शील 'सुरा-मेरय-मज्ज-पमाद?ठाना वेरमणी सिक्खापट समादयामि। (मादक द्रव्यों के सेवन से में विरत रहूँगा, ऐसा वचन लेता हूँ) पर चर्चा करते हुए अवगत कराया गया कि महात्मा बुद्ध द्वारा उत्कृष्ट आचरण के लिए प्रत्येक प्रकार के नशे से विरत रहने के शील को पालन करने के लिए शिक्षा दी गयी है। सचिव, द्वारा इसके अतिरिक्त विस्तृत रूप से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों एवं उनके प्रभाव व देश में चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान के संबंध में विस्तृत रूप से बताया गया। यह भी बताया गया कि नशे के प्रति सभी आयु के लोगों को विशेष रूप से युवाओं को शराब पीने, धुमपान करने, नशीले दवाओं, तम्बाकू, गुटखा की लत से दूर रहना आवश्यक है। इन नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव के संदर्भ में भी व्यापक रूप से जानकारी दी गयी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 में राज्य को निर्देशित किया गया है कि आमजन को नशीले पदार्थों के प्रयोग से सरकारी नीतियों के जरिये प्रतिबन्धित किया गया तथा मात्र चिकित्सकीय प्रयोजन हेतु नशीले पदार्थों का प्रयोग किया जाना अनुमन्य है। यह भी बताया गया है कि नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम, 1985 को दिनांक 14.11.1985 को लागू किया गया था इसमें सभी नशीले पदार्थों को आमजन के प्रयोग हेतु प्रतिबन्धित किया गया था। उक्त अधिनियम के अन्तर्गत ही नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की स्थापना मार्च 1986 में की गयी थी जो कि एन0डी0पी0एस0 अधिनियम कार्यान्वयन एवं नारकोटिक अवैध व्यापार पर नजर रखता है। तम्बाकू अधिनियम-2003 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों जैसे शिक्षण संस्थायें, होटल, मॉल, मार्केट व कार्य स्थलों पर धूमपान को पूर्व रूप से प्रतिबन्धित किया गया है। धारा-5 के अन्तर्गत अवयस्कों को तम्बाकू बेचे जाने को भी प्रतिबन्धित किया गया है व धारा 6 के अन्तर्गत शिक्षण संस्थाओं से 100 गज की दूरी तक ऐसे किसी पदार्थों की दुकान न होने के संदर्भ में प्रावधान किया गया है। धारा-7 के अन्तर्गत प्रत्येक तम्बाकू उत्पाद पर स्वास्थ्य चेतावनी का अंकित होना भी अनिवार्य किया गया है। उक्त शिविर में इकाई डीएडब्लूएन के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी व यू-ट्यूब पर उपलब्ध डीएडब्लूएन अभियान के वीडियों 'तुम मत गिरना को भी प्रदर्शित किया गया। उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों नशा मुक्त भारत अभियान, युद्ध नशे के विरूद्ध जैसे कार्यकमों के संबंध में भी विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। कार्यकम के अन्त में समो विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जनपद रायबरेली को नशा मुक्त करने के संबंध में शपथ भी दिलायी गयी। उक्त कार्यक्रम में सहायक अध्यापक अनूप दत्ता, महेन्द्र कुमार मिश्रा, दीनानाथ सिंह व अभिषेक द्विवेदी एवं पराविधिक स्वयं सेवक सौम्या मिश्रा, पवन कुमार श्रीवास्तव व मनोज कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर धूमधाम से निकली जगन्नाथ जी की यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र।बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंद्रपुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की चतुर्थ रथ यात्रा आज दिनांक 27 जून 2025 को प्रातः 9:30 बजे बड़े धूमधाम से निकली गई सर्वप्रथम भगवान जगन्नाथ स्वामी जी का पूजन अर्चन आचार्य पंडित नरेश चंद्र शास्त्री एवं आचार्य पंडित योगेश मिश्रा के द्वारा संपन्न कराया गया जिसमें चंद्रनाथ त्रिवेदी, उमाकांत अवस्थी, सुरेंद्र कुमार शुक्ला एवं शिशिर शुक्ला ने संयुक्त रूप से पूजन अर्चन किया उसके बाद ढोल नगाड़ों एवं शंख ध्वनि के साथ भगवान जगन्नाथ जी को नदी घोष रथ पर विराजित कराया गया जहां पर चंद्रपुर राज परिवार के छोटे राजा श्री हरसेंद्र सिंह एवं रानी श्रीमती ममता सिंह द्वारा पूजन अर्चन किया गया भगवान जगन्नाथ जी को तुलसी की माला समर्पित की गई आरती की गई एवं भोग लगाया गया उसके

बाद भगवान जगन्नाथ जी को मंदिर परिसर से बाहर लाया गया और भक्तों ने जगन्नाथ जी के रथ के रस्सी को पकड़ कर के अपने जीवन को धन्य बनाया रथ यात्रा यूनियन बैंक से मलिक मऊ रोड गणेश होटल होते हुए रामकृपाल चौराहा पहुंची यहां पर धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने जलपान की व्यवस्था कराई सुपर मार्केट में ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल द्वारा शरबत एवं पकौड़ी प्रसाद का वितरण किया गया प्रातः 11:11 पर रथ यात्रा मंदिर परिसर वापस पहुंची वहां पर जगन्नाथ जी अपनी मौसी के आवास गुंडेचा भवन में विश्राम किए यहां पहुंचने पर पुन. आरती की गई और रसगुल्ला का भोग लगाया गया गुंडिचा भवन में छोटे राजा एवं रानी जी के द्वारा चावल प्रसाद एवं जगन्नाथ स्त्रोत का वितरण किया गया भक्तों ने जगन्नाथ जी का दर्शन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया दोपहर 12:25 पर भगवान जगन्नाथ जी अपने गर्भ ग्रह की ओर प्रस्थान किया घंटा नगत्रों के साथ भगवान सुभद्रा महारानी एवं बलराम भगवान को विराजित कराया गया भगवान जगन्नाथ जी को सुभद्रा महारानी ने अंदर प्रवेश नहीं करने दिया और दरवाजा बंद कर दिया चंद्रपुर के छोटे राजा के द्वारा रसगुल्ला का भोग लगाया गया तब सुभद्रा महारानी ने दरवाजा को खोल भगवान जगन्नाथ जी ने गर्भ ग्रह में प्रवेश किया आरती की गई और भक्तों में छेना रसगुल्ला प्रसाद का वितरण किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऋषि अग्रवाल, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, उमाकांत अवस्थी, श्रीमती पूनम तिवारी, प्रेरणा, अनामिका राज आशीष सविता पंकज अग्रवाल विजय गुप्ता राजू दीक्षित गुड्डन श्रीवास्तव राम राजगीरी हरिशंकर शुक्ला क्षमता मिश्रा की उपस्थिति थी कार्यक्रम व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने नगर पालिका परिषद द्वारा चूने के छिड़काव एवं जल के छिड़काव के लिए आभार व्यक्त किया शाम को बाबा की आरती में पूरी सब्जी कढ़ी चावल बालूशाही प्रसाद का वितरण किया गया।

सौतेला पिता बेटी से संबंध बनाता,हॉस्टल से बुलवा लेता:विरोध करने पर प्राइवेट पार्ट पर किया हमला, लखनऊ पुलिस ने एफआईआर में धारा बढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ में सौतेले पिता ने जबरन संबंध बनाने से

मना करने पर बेटी की चाकू से गोदकर हत्या की थी। चाकू से उसके प्राइवेट पर भी कई वार किए थे। छात्रा की मां ने पुलिस बताया कि आरोपी ने बेटी के साथ रेप किया था। लोकलाज के डर से पुलिस से शिकायत नहीं की तो उसकी हिम्मत बढ़ गई। घटना वाले दिन भी रेप का प्रयास किया था। विरोध करने पर नाराज हो गया। वह बेटी को इसीलिए हॉस्टल से बुलाने के लिए मुझ पर दबाव बनाता था। पुलिस ने एफआईआर में रेप की धारा बढ़ा दी है।छात्रा की मां ने बताया कि आरोपी ने बेटी को मारने के बाद उन्हें भी मारने की कोशिश की थी। जिसकी वजह से वो भी गंभीर घायल हुई थी। उन्होंने ही अपने मोबाइल से आरोपी की फोटो खींची थी। महिला ने पुलिस को बताया है कि आरोपी उनकी बेटी पर शुरू से गंदी नजर रखता था। कुछ दिन पहले उसने बेटी के साथ गलत काम किया था। बेटी ने इस मामले में पुलिस से शिकायत करने की बात कही थी। आरोपी ने शिकायत करने पर मां बेटी को जान से मारने की धमकी दी थी। महिला ने आरोपी के खौफ और बेटी के भविष्य को देखते हुए मामले को दबा दिया। बेटी को समझाकर हॉस्टल भेज दिया। इसकी वजह से उसकी हरकत बढ़ गई। बेटी को अक्सर हॉस्टल से बुलाने की बात कहता था। मना करने पर घर में मारपीट करता था। इस बार छुट्टी पर घर आने के बाद से ही उसके साथ अश्लील हरकत कर रहा था। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि मां के बयान के आधार पर एफआईआर में दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई है।पुलिस ने छात्रा के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर कब्जे में ले लिया है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल कब्जे में लिया है। माना जा रहा है कि उसमें छात्रा की कुछ अश्लील तस्वीरें और अन्य सबूत हैं।छात्रा के साथ हॉस्टल में रहने वाली दोस्त ने बताया था कि कॉलेज में एडमिशन के बाद फर्स्ट ईयर में उससे मुलाकात हुई थी। काफी खुश मिजाज स्वभाव था। सबके साथ मिलजुल कर रहती

थी। लेकिन घर के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं करती थी। अगर कभी किसी ने जिक्र कर दिया तो बात काट देती थी। कॉलेज में जब छुट्टी होती थी तो सब अपने घर जाने के लिए काफी खुश होते थे। लेकिन उसके अंदर ऐसा कभी नहीं रहा। बल्कि हॉस्टल में ही रुकने की परमिशन मांगती थी। घर न जाने को लेकर सबको संदेह होता था लेकिन जिंदगी में इतनी परेशानी चल रही है, इसका किसी को बिल्कुल अंदाजा नहीं था।महानगर के विज्ञानपुरी में सोमवार रात सौतेले पिता ने बीसीए कर रही बेटी की चाकू से 18 बार वार कर हत्या कर दी थी। उसने गर्दन, पेट और प्राइवेट पार्ट पर हमला किया। हत्या के बाद उसके शव पर चढ़कर शव को रौंदा था। घटना के बाद आरोपी की हरकत से घबराई मां ने मीडिया में मोबाइल चलाने का विवाद बताया था। छात्रा की मां अंतिम संस्कार के बाद संतुलन संभलने के बाद पुलिस के पास आरोपी की हैवानियत की कहानी बयां की है। अब पुलिस उस एंगल पर जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी के कार्यक्रम में पूर्व सीएम गर्मी से बेहाल:आगरा में हॉल की क्षमता 550, पहुंच गए 2000 लोग, लोकतंत्र सेनानियों ने किया हंगामा

आगरा। आपातकाल के 50वें वर्ष पर आयोजित भाजपा का कार्यक्रम अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गया। 550 लोगों की क्षमता वाले हॉल में 2000 हजार से अधिक लोग पहुंच गए। गर्मी और उमस से लोग बेहाल हो गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी गर्मी से परेशान हो गईं। मंच पर वे पसीना पोछते और कार्ड से हवा करती नजर आईं। अव्यवस्थाओं को लेकर मंच के सामने लोकतंत्र रक्षक सेनानियों ने हंगामा काटा। धक्का-मुक्की भी हुई। विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने मंच से उतरकर मामला संभाला।कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा हर शहर में कार्यक्रम आयोजित कर रही है। गुरुवार को आगरा के आरबीएस डिग्री कॉलेज स्थित रावकृष्ण पाल ऑडिटोरियम में सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें बमुश्किल 550 लोगों के बैठने की व्यवस्था है लेकिन कार्यक्रम में 2000 हजार से अधिक लोग पहुंच गए। ऐसे में यहां व्यवस्थाएं चरमरा गईं। हॉल का एसी फेल हो गया। लोग गर्मी और उमस से परेशान हो गए। ऐसे में लोग कार्यक्रम छोड़कर जाने लगे।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया थीं। उनके सहित मंच पर बैठे अधिकांश अतिथि पसीना पोंछते ही नजर आए। कोई कार्ड से अपने ऊपर हवा कर रहा था तो कोई गमछे से पसीना पोंछ रहा था। वसुंधरा राजे पल-पल पर अपनी साड़ी के पल्लू से पसीना पोंछ रही थीं। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू भदौरिया भी

गर्मी से परेशान दिखीं।कार्यक्रम में भीड़ की स्थिति ये थी कि कुर्सियां कम पड़ गईं। भाजपा कार्यकर्ता मंच के सामने जमीन पर बैठ गए। मंच के सामने इतनी अव्यवस्था थी कि भाजपाइयों ने पूरा मंच ही घेर लिया। मंच के ऊपर और नीचे कार्यकर्ताओं का जमघट दिखाई दिया। संचालक ने कई बार मंच खाली करने की घोषणा की लेकिन किसी ने एक न सुनी। इससे मंच के सामने कुर्सियों पर बैठे लोकतंत्र रक्षक सेनानी नाराज हो गए।सामने खड़े लोगों से उन्होंने बैठने के लिए कहा लेकिन सबने अनसुना कर दिया। इससे गुस्साए लोकतंत्र रक्षक सेनानियों ने हंगामा कर दिया। वे नाराज होकर कुर्सियों से खड़े हो गए। इस बीच धक्का-मुक्की भी हो गई। मंच से उतरकर आए विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने मामले को शांत किया। बाद में मंच से लोकतंत्र रक्षक सेनानियों से माफी भी मांगी गई।कार्यक्रम में स्थिति ये थी कि मंच पर किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं थी। वंसुधरा राजे का भाषण खत्म होने के बाद तो स्थिति और बेकाबू हो गई। यहां लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का सम्मान होना था। लेकिन, कार्यकर्ताओं ने मंच पूरा कब्जा लिया। इससे अधिकांश लोकतंत्र रक्षक सेनानी तो मंच पर पहुंच ही नहीं पाए। जो किसी तरह से पहुंच भी गए, उनके साथ भी सम्मान के नाम पर खानापूर्ति की गई। धक्का-मुक्की के बीच उन्हें पटका पहना गया।कार्यक्रम में अव्यवस्थाएं देख वंसुधरा राजे ने भी चुटकी ली। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा-यहां आकर मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं घर आ गई हूं। किसी को बाहर भेजना पड़ा। कुछ मंच पर लड़ रहे थे तो कुछ नीचे लड़ रहे थे। ये सब देखकर ऐसा लग रहा था कि मैं घर में हूं।सम्मान कार्यक्रम के बीच मंच पर अव्यवस्थाएं देख विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल भड़क गए। उन्होंने माइक से कहा-सभी कार्यकर्ता मंच से हट जाएं, ये फोटो सेशन नहीं है। यहां सिर्फ लोकतंत्र रक्षक सेनानी बैठेंगे। जो लोग मान्य हैं वहीं, मंच पर आएं, बाकी नीचे चले जाएं।

6 महीने में ठीक होगा ताजमहल का गुंबद, एएसआई ने थर्मल स्कैनिंग से 73 मीटर ऊंचाई पर रिसाव पकड़ा,15 दिन में मरम्मत शुरू होगी

आगरा। आगरा के ताजमहल में एएसआई को थर्मल स्कैनिंग में 73 मीटर की ऊंचाई पर पानी का रिसाव मिला है। अब 15 दिनों में एएसआई गुंबद पर लगे पाड़ की जांच पूरी करेगा। इसके बाद

एक्सपर्ट लेबर इस पर काम शुरू करेंगे। ताजमहल के गुंबद की मरम्मत में करीब 6 महीने लगेंगे। एएसआई की लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग जांच में 3 पॉइंट सामने आए हैं। पहला- ताजमहल के मुख्य गुंबद पर जो पत्थर लगे हैं, उनकी टीप का मसाला खराब हो गया है। दूसरा- गुंबद की छत का दरवाजा और फर्श खराब हो गई है। तीसरा- गुंबद पर लगा कलश (पिनेकल) जिस लोहे की रॉड पर टिका है, उसमें जंग लग गई है, आसपास का मसाला फूल गया है। इसलिए पानी रिसा था। इन 3 वजह से मुख्य गुंबद में बारिश के पानी का रिसाव हुआ। बता दें कि एएसआई की लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग तकनीक में लाइट का इस्तेमाल पल्स लेजर की तरह होता है, इसमें किसी सतह पर लाइट डाली जाती है, उसके पलटकर वापस आने की स्पीड से कमियां देखी जाती है। गुंबद की कमियों का पता चलाने के लिए जीपीएस, स्कैनर और ड्रोन की भी मदद ली गई। ताजमहल के मुख्य गुंबद पर पाड़ बांधा जा चुका है। अब एएसआई टीम, फिजिकल जांच करेगी। 15 दिन में टेक्नीशियन और कर्मचारी गुंबद की पाड़ पर जाकर देखेंगे। कहां-कहां दरारें हैं? कहां पत्थर निकल गए हैं? मसाला कहां-कहां हटा है? गुंबद के पास की फर्श कहां-कहां टूटी है? क्या छज्जे भी टूट गए हैं? इसकी एक प्रॉपर रिपोर्ट पहले से तैयार है, क्रॉस वैरिफिकेशन के बाद इन्हें ठीक करवाया जाएगा।पिछले साल 10 से 13 सितंबर तक आगरा में रिकॉर्ड बारिश हुई। 12 सितंबर को ताजमहल के मुख्य मकबरे में स्थित शाहजहां और मुमताज की कब्रों के पास पानी टपकने लगा था। कैंपस में भी पानी भर गया था। ताजमहल के मुख्य गुंबद में पानी टपकने को लेकर सियासत भी हुई। ताजमहल के रख-रखाव को लेकर अखिलेश यादव ने सवाल उठाए। बीजेपी पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने मुख्य गुंबद पर उगे पौधे, कलश पर जंग लगने की तस्वीर भी पोस्ट की थी। उन्होंने रख-रखाव पर के लिए जारी होने वाले करोड़ों रुपए का हिसाब भी मांगा था।अखिलेश ने 19 सितंबर 2024 को एक्स पर लिखा था- विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले अजूबे ताजमहल के रख-रखाव को लेकर भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम है। सरकार एक जीता-जागता उदाहरण होना चाहिए, कोई स्मारक भर नहीं।अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा - इन सब कारणों से दुनियाभर से आने वाले पर्यटकों के बीच देश की छवि वैश्विक स्तर पर धूमिल होती है। पर्यटक ताजमहल को निहारें या समस्याओं से निपटें। सवाल उठाया कि ताजमहल के रख-रखाव के लिए जो करोड़ों रुपए का फंड आता है, वो कहां जाता है।क्या पहले भी कभी ताजमहल के गुंबद में रिसाव हुआ, इसका जवाब हमें आगरा के इतिहासकार राजकिशोर राजे ने दिया। वह कहते हैं- इसकी 373 साल पुरानी हिस्ट्री है, साल 1652 में औरंगजेब ने बादशाह शाहजहां को ताजमहल का गुंबद से पानी रिसने की पहली रिपोर्ट भेजी थी। इसमें बरसात में उत्तर की ओर दो जगह से पानी टपकने का जिक्र किया गया था। रिपोर्ट में ताजमहल के चार मेहराबदार द्वार, दूसरी मंजिल की दीर्घाएं, चार छोटे डोम, चार उत्तरी बरामदे और सात मेहराबदार भूमिगत कक्षों में भी नमी की जानकारी दी गई थी। उसके बाद मुख्य गुंबद की मरम्मत की गई थी। एएसआई टीम, 76 लाख खर्चेंगी, 56 लाख सिर्फ लेबर चार्ज पुरातत्व अधीक्षक स्वाति एस. कुमार ने बताया- पहले एक समिति बनाई जा रही है, इसमें शामिल एएसआई के टेक्नीशियन और कर्मचारी पाड़ का मुआयना करेंगे। क्या पाड़ इतना मजबूत है कि मजदूरों और सामान का भार सहन कर सके? समिति की रिपोर्ट के बाद ही संरक्षण का काम शुरू होगा। इसमें 10 से 15 दिन का समय लगेगा।ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी ने बताया- हम ड्रोन और लाइट डिटेक्शन से जांच करा चुके हैं। अब फिजिकल जांच होगी। चूंकि मुख्य गुंबद और पिनेकल की ऊंचाई काफी है, इसलिए इस काम में 6 महीने का समय लगेगा। गुंबद पर लगे कलश 73 मीटर यानी 239.50 फीट ऊंचाई पर है, वहां तक पहुंचना चुनौतीभरा है। काम के दौरान भी जो दिक्कत दिखेंगी, उन्हें ठीक कराया जाएगा। फिर वो चाहे दरारें भरने का हो, कलश की जंग का हो या पत्थर बदलने का काम हो।उन्होंने बताया- संरक्षण के दौरान 76 लाख रुपए खर्चा होंगे। इसमें मेटेरियल पर 19.82 लाख रुपए और मजदूरों की लेबर पर करीब 56.93 लाख रुपए खर्च होने का एस्टीमेट बना है।

साइबर ठग गिरोह ने सिपाही से कर ली थी वसूली,ट्रांसफर कराए 55 हजार,4 साल पहले कानपुर लौटा था,गर्लफ्रेंड से की शादी

कानपुर। कानपुर में पोर्न वीडियो देखने के नाम पर 66 लोगों से वसूली करने वाले गिरोह ने पुलिस को भी नहीं छोड़ा। आरोपियों से पूछताछ

में पता चला कि इन्होंने हाल में ही एक दूसरे शहर में पुलिस में तैनात सिपाही को निशाना बनाया था। सिपाही भी फर्जी क्राइम ब्रांच के अफसरों से घबरा गया और 55 हजार रुपए दे बैठा। क्राइम ब्रांच की जांच में यह भी पता चला है कि मास्टर माइंड शिवम नोएडा में एक नेसकैफे में काम करता था। वहीं पर उसने साइबर ठगी के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद कानपुर आकर गिरोह बनाने के बाद घटनाओं को अंजाम देने लगा। क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने गुरुवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। यह लोगों को फोन करके उन्हें कहते थे कि तुम पोर्न वीडियो देखते हो तुम्हारी जानकारी मिल चुकी है और फिर फर्जी क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर लोगों को जेल भेजने की धमकी देते थे। जेल जाने के नाम से डरे सहमे लोग न नुकुर करते हुए आरोपियों को केस से बचने के लिए पैसा दे देते थे। इस गिरोह के खिलाफ साइबर टीम के पास 66 शिकायतें आई थी। जिसके बाद हरकत में आई टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।क्राइम ब्रांच की पूछताछ में पता चला कि आठवीं पास मास्टरमाइंड शिवम वर्मा नोएडा में एक नेटकैफे में काम करता था। वहीं पर उसने सिम कार्ड बेचने का काम सीखा और इंटरनेट के जरिए अलग अलग साइबर ठगी के तरीके भी सीखे थे। चार साल पहले शिवम वापस कानपुर लौटा। यहां उसने अपनी गर्लफ्रेंड से शादी रचा ली और गिरोह बनाकर वसूली करने की घटनाओं को अंजाम देने लगा। नेटकैफे में काम करने के दौरान ही वो बाकी सदस्यों को अपने साथ जोड़ लिया था।डीसीपी क्राइम ने बताया एक एक सिम कार्ड से आरोपी एक या बहुत ज्यादा दो घटनाओं को अंजाम देते थे। इसके बाद सिम तोड़कर फेंक देते थे। इतना ही नहीं जो पैसे आते थे। उन्हें खातों में मंगाया जाता था। डीसीपी के मुताबिक जांच में पता चला है कि ज्यादातर बैंक खाते मध्य प्रदेश में एक्टिव हैं। पुलिस उन सभी की जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा खाते आरोपियों को मिलते कैसे थे इसका भी पता लगाया जा रहा है।

सेक्टर 55 आर डब्ल्यू ए के साथ विद्युत विभाग के अधिकारियों की हुई बैठक

नोएडा सेक्टर 55 में आर. डब्लू. ए अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल के एवं आर.डब्लू.ए.

समस्त टीम के तत्वाधान में विद्युत विभाग कारपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की आज सेक्टर 55 आर. डब्लू. ए. परिसर में बैठक हुई।जिसमें अधिकारियों द्वारा नए स्मार्ट मीटर के बारे में समस्त समाज को संपूर्ण जानकारी दी गई।तथा विद्युत आपूर्ति एवं समस्याओं के संबंध में भी समाज की अधिकारियों से चर्चा हुई।निवासियों ने गर्मी के मौसम में बार-बार बिजली ट्रिपिंग होने की समस्या को उठाया, विद्युत तारों पर पेड़ों की डालियो के उलझने से थोड़ी सी हवा चलते ही विद्युत फाल्ट होने पर भी बड़े पेड़ों की ट्रीमिंग ना होने की समस्या को भी अधिकारियों को बताया तथा विद्युत समस्या होने पर संबंधित विद्युत विभाग के जे. ई. के द्वारा निवासियों का निरंतर फोन ना उठाने की समस्या से भी अधिकारियों को अवगत कराया।निवासियों ने सेक्टर में बारंबार वोल्टेज के उतार चढ़ाव की गंभीर समस्या से भी अधिकारियों को अवगत कराया तथा उसका निवारण ना होने तथा शिकायत करने के बाद भी संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा फोन ना उठाने की समस्या को प्रमुखता से अधिकारियों को अवगत कराया।अधिकारियों ने स्मार्ट मीटर के बारे में समस्त जानकारी निवासियों को दी एवं विद्युत आवागमन एवं समस्याओं को लेकर उनकी शिकायत सुनी तथा उनका निदान का आश्वासन दिया।

कानपुर के 250 साल प्राचीन जगन्नाथ मंदिर की कहानी:महिला ने पुरी से लाकर मूर्ति जंगल में रखी, दोबारा नहीं उठा सकी

कानपुर। भगवान श्री जगन्नाथ आज शहर के नगर भ्रमण पर रथ पर सवार होकर रथ यात्रा करेंगे। लेकिन कानपुर के 250 साल पुराने श्री जगन्नाथ जी के मंदिर की कहानी भी किसी चमत्कारी घटना से कम

नहीं है । जगन्नाथ पुरी से लाई गई मूर्ति एक वृद्ध महिला के द्वारा यहां रख दी गई और उसके बाद लाख कोशिश के बाद भी वह मूर्ति उस स्थान से नहीं हिली । इसके बाद इसी स्थान पर श्री जगन्नाथ जी का बाई जी के मंदिर के नाम से मंदिर बनाया गया। कानपुर के जनरलगंज स्थित श्री जगन्नाथ जी का बाई जी के नाम से मंदिर है। यह मंदिर ढाई सौ साल पहले बनाया गया था। मंदिर से जुड़े लोग बताते हैं की जैसा उनके बुजुर्गों ने बताया है की 250 साल पहले एक वृद्ध महिला जिनका नाम बाई जी था। वह राजस्थान से जगन्नाथपुरी दर्शन करने गई थी और वहां से भगवान जगन्नाथ जी की मूर्ति लेकर अपने घर वापस राजस्थान जा रही थी। रास्ते में जगह-जगह विश्राम करते हुए वृद्ध महिला राजस्थान जा रही थी। तभी एक रात वह विश्राम के लिए जनरल गंज के इलाके में रुकी उस वक्त यहां पर घना जंगल हुआ करता था। रात्रि विश्राम के बाद जब वह सुबह उठी और फिर से अपने घर जाने के लिए यात्रा शुरू करनी चाहिए तो उन्होंने श्री भगवान जगन्नाथ जी की मूर्ति को उठाया लेकिन मूर्ति नहीं उठा सकी । वह काफी परेशान हुई प्रयास करती रही की मूर्ति को वह अपने घर ले जा सके। लेकिन ऐसा नहीं हो सका और वह फिर वहीं रुक गई। रात्रि के समय उन्हें स्वप्न आया और भगवान ने उनसे इस स्थान पर मंदिर बनवाने को कहा इसके बाद इसी स्थान पर वृद्ध महिला बाई जी ने मंदिर का निर्माण करवाया । इसीलिए इस मंदिर का नाम बाई जी श्री जगन्नाथ मंदिर पड़ गया।कानपुर शहर की जनरलगंज में सबसे पहले जगन्नाथ जी का बाई जी मंदिर बना था । इसके बाद इसी स्थान से 100 कदम की दूरी पर 210 पहले भगवान श्री जगन्नाथ जी का बिरजी भगत मंदिर बनाया गया। इस मंदिर को बृजलाल ओमर ने निर्मित कराया था। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां भगवान जगन्नाथ जी की अष्टधातु की दुर्लभ प्रतिमा स्थापित है। इसीलिए कानपुर में रथ यात्रा दो दिवस निकाली जाती है। प्रथम दिवस पर बाई जी मंदिर की रथ यात्रा निकलती हैं और द्वितीय दिवस पर बिरजी भगत मंदिर की रथ यात्रा निकल जाती है। बिरजी भगत मंदिर से ही कुछ ही कदम की दूरी पर एक तीसरा मंदिर 80 साल पहले बनवाया गया ।जिसे उमा जगदीश श्री जगन्नाथ मंदिर के नाम से लोग जानते हैं।कानपुर की रथयात्रा जगन्नाथ पुरी की रथ यात्रा के बाद सबसे प्राचीन यात्रा है। महाराज जी ने बताया की सबसे पहले जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा शुरू हुई थी। उसके बाद कानपुर में और तीसरे नंबर पर अहमदाबाद में यात्रा शुरू की गई थी। महाराज जी ने यह भी बताया कि तीनों ही यात्रा का अपना अलग-अलग स्वभाव है। भक्तों की आस्था के साथ यात्रा में होने वाले प्रदर्शन और आकर्षण अलग है। पुरी की रथ यात्रा में लोग रथ को खींचते हैं। इसी तरह से अहमदाबाद की रथयात्रा में हाथी घोड़ा से शक्ति का प्रदर्शन होता है। तो उसी तरह से कानपुर की रथ यात्रा में लोग अलग तरह के संगीत भक्ति धुन संगीत के ऐसे संसाधनों का प्रयोग करते हैं,जो अपने आपमें अनोखा है। पूरी रथ यात्रा में संगीत की धुन बजाते हुए निकलने वाले 18 मंडल हिस्सा लेते हैं।जगन्नाथ जी की यात्रा में शामिल होने वाले 18 मंडल संगीत की धुन को कटोरी,चम्मच, थाली और मंजीरा बजाकर नृत्य करते हुए यात्रा के साथ निकलते हैं। उसकी धुन भक्ति संगीत के साथ अलग ही रस प्रस्तुत करती है। कानपुर की जगन्नाथ जी की यात्रा और मंदिर से जुड़े हुए सदस्यों में दिलीप गुप्ता,रामकुमार गुप्ता ,नीरज खन्ना, सत्येंद्र अग्रवाल, राजेश गुप्ता ,छोटेलाल गुप्ता ,नंदकिशोर गुप्ता, उत्कर्ष गुप्ता, भरत लाल गुप्ता ,हर्षित गुप्ता , पुष्कर गुप्ता रथ यात्रा की तैयारी और मंदिर की सेवा में 15 दिन पूर्व से जुट जाते है।

आगरा में ससुर की बहू पर नीयत खराब,शारीरिक संबंध बनाने को दिया 40 हजार रुपए का ऑफर, पति बोला पापा की मन की कर दो

आगरा। आगरा में ससुर की अपनी बहू पर नीयत खराब हो

गई। बहू ने ससुर पर अश्लील हरकत करने और शारीरिक संबंध बनाने के लिए 40 हजार देने की पेशकश करने का आरोप लगाए हैं। बहू का कहना है कि उसने ससुर की हरकतों का वीडियो भी बनाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। हींग की मंडी की रहने वाली युवती की 2019 में नेहरु एंक्लेव के रहने वाले युवक के साथ हुई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पति को बोलने व सुनने की तकलीफ है। शादी के बाद से ही ससुर उस पर बुरी नजर रखता है। वो उसके कमरे में बिना बताए अंदर चला आता है। आए दिन उससे अश्लील बात करता था। उसने अपने पति से कई बार इसकी शिकायत की।इस पर पति ने कहाकि पिताजी काफी बुजुर्ग हैं, ऐसे में वो उनसे कुछ नहीं कह सकता है। बेहतर होगा कि वो जैसा कहते हैं वैसा कर दो। जब उसने हरकतों का विरोध किया तो उससे मारपीट की गई। चरित्र हनन के आरोप लगाए गए। 10 जून को उसने अपने पति को बताया कि कमरे में अकेला पाकर ससुर ने अश्लील हरकत की। तुम अपने पिता को समझाते क्यों नहीं हो। पति ने फिर कहाकि पापा के मन की कर दो। पति की बात से आहत होकर वो 12 जून को अपने मायके आ गई।पीड़िता का आरोप है कि ससुर ने मायके में भी उसका पीछा नहीं छोड़ा। 12 जून को दोपहर दो बजे ससुर मायके में आ गया। उसकी मां से कहाकि बहू से जरूरी बात करनी है। जब पीड़िता की मां चाय बनाने गई तो ससुर उसके पास आकर बैठ गया। उसको इधर-उधर टच करने लगा। पीड़िता ने इसका विरोध किया साथ ही चुपचाप ससुर की हरकतों का मोबाइल से वीडियो बना लिया। इसके बाद फोन कर अपने पति और सास से ससुर की शिकायत की। इस पर पति ने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि उसके ससुर ने वाट्स एप चैट पर अपनी गलती मानी। उसने संबंध बनाने के लिए 40 हजार रुपए का देने का आफर भी किया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

नुक्कड़ नाटकों के जरिए सीटू ने 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मजदूर विरोधी चार लेबर कोदो को रद्द करवाने और न्यूनतम

वेतन 26000 रुपया घोषित करवाने, रेहड़ी-पटरी असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा देने सहित श्रमिकों की कई अन्य ज्वलंत मांगो,/ मुद्दों के समाधान हेतु मजदूर संगठनों ने 09 जुलाई 2025 को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का ऐलान कर रखा है। सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर द्वारा उक्त हड़ताल की व्यापक तैयारी शुरू कर दी गई है। आज मजदूर बस्ती सेक्टर- 8, 9, 10 नोएडा में सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर के नेतृत्व में कई स्थानों पर जन नाट्य मंच के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एका के माध्यम से 9 जुलाई की हड़ताल को सफल बनाने के लिए मजदूरों को प्रेरित किया। इस अवसर पर इंटक नेता डॉक्टर के पी ओझा, संतोष तिवारी, टीयूसीआई नेता उदय चंद्र झा, कांग्रेस नेता शहाबुद्दीन, माकपा नेता हरकिशन सिंह, भीखू प्रसाद सहित सैकड़ो कामगार मौजूद रहे।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-138/2025 धारा 326(जी), 351(2) बीएनएस से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु फरार/वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 26.06.2025 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 138/2025 धारा 326(जी),351(2) बीएनएस से सम्बन्धित फरार चल रहे 01 नफर अभियुक्त बब्लू पुत्र रमेश अगरिया निवासी ओबरा डैम रेलवे स्टेशन कालोनी के पीछे पहाड़ी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष को ओबरा डैम रेलवे स्टेशन कालोनी के पीछे पहाड़ी से समय 06.10 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त बब्लू उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- 1.बब्लू पुत्र रमेश अगरिया नि0 ओबरा डैम रेलवे स्टेशन कालोनी के पीछे पहाड़ी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1.उ0नि0 रामसिंह यादव थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।2.हे0का0 राधेगोविन्द सिंह थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 3.आरक्षी अरविन्द कुमार थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज की सपाइयों ने मनाई जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर राजषि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती

मनाई गई जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज जिन्हें राजर्षि शाहू महाराज के नाम से भी जाना जाता है। कोल्हापुर रियासत के एक महान शासक थे जो अपने सामाजिक सुधारो के लिए जाने जाते थे । उनका जन्म 26 जून 1874 में हुआ था । वह ग्रामीण और निम्न जाति के लोगों के लिए काम करने वाले एक समाज सुधारक थे। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की दिशा में जो क्रांतिकारी कार्य किया उसके लिए वह इतिहास में हमेशा याद किए जाते हैं। उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव हर वर्ग की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और हर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए सदन तक आवाज बुलंद करने का काम कर रहे हैं।संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल नगर पालिका रावटसगंज अध्यक्ष सरदार पारब्रह्म सिंह अनिल प्रधान कामरान खान अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष फारूक अली जिलानी दीनानाथ अग्रवाल विनोद यादव विष्णु कुशवाहा जब्बार खान के साथ दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित करते हुए संबोधन किया।

मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना,,सब के अधरों पे गीत लिख देना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में कचहरी बार एसोसिएशन सभागार

में काव्य संध्या का आयोजन शुक्रवार को दोपहर में किया गया। आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्य कार कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने किया मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र वरिष्ठ कथा कार रहे। संचालन अशोक तिवारी ने किया। वाणी वंदना दिवाकर दिवेदी मेघ ने किया और विधिवत् कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मीरा मोहन की प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना, दिल में हो रुदन कहीं भी नहीं, साथ साजन हो जीत लिख देना सुनाकर वातावरण सृजित कर वाहवाही लूटी। प्रयागराज से पधारे शायर शारिक मखदूम फूलपुरी का अभिनंदन अंगवस्त्र लेखनी पुस्तक प्रशस्ति पत्र देकर किया गया उनकी गजल, डूबा रहा गमों में किनारा नहीं मिला, मैं चाहता था जो वो सहारा नहीं मिला सुनाकर तालियां बजवाते रहे। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने,, जयहिंद वंदेमातरम का जो करते सम्मान नहीं। वे भारत माता के दुश्मन उनका हिंदुस्तान नहीं सुनाकर राष्ट्रीयता को मुखर स्वर दिया और लोगों में देशभक्ति की हुंकार भरी। दयानंद दयालू दिलीप सिंह दीपक सुधाकर स्वदेश प्रेम ने भी काव्य पाठ किया। वीर रस के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने सुपूत पूत भारती के लहू से ललाट पर तिलक लगाते हैं सुनाकर शहीदों को नमन किया सराहे गये। धर्मेश चौहान ने जहाँ टीबी और बीवी शिर्षक से हास्य व्यंग्य सुनाकर तालियां बटोरीं वहीं उनकी देश भक्ति की रचना वतन पर होता जो कुरबान वहीं भगवान् मेरा है काफी सराही गई। अशोक तिवारी ने, हाँ हमने तुझसे प्यार किया और क्या किया,,, वरिष्ठ शायर अब्दुल हई ने उधर से गुजरा तो झुक कर मिला हिमाला भी, सलीका प्यार का इसको सिखा दिया किसने सुनाकर महफ़िल लूट लिया। दिवाकर दिवेदी मेघ ने,, बरवा कटा के कट कौवा, बीए पढ़े लागल बा बेटौवा सुनाकर खूब हंसाये।शाइर जुल्फेकार हैदर खान ने गजल सुनाकर तालियां बटोरीं।मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने कौमी एकता की रचना, हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है ।दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर समरसता की बात किया। नरेन्द्र कुमार पाठक ने वक्तव्य देकर देश की दिशा दशा पर चिंतन दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुये सोनांचल साहित्यकार परिषद् प्रमुख कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने लोकभाषा व हिंदी खडी बोली की गंभीर कई रचनाओं का वाचन कर सबको आशीर्वाद शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को विराम दिया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट त्रिपुरारी मिश्रा संदीप कुमार शुक्ल ऋषभ ठाकुर कुशवाहा समेत कई लोग देर शाम भारी वारिश के बाद भी जमे रहे।

थाना कोन पुलिस ने एक नफर वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं उसमें संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक-25.06.2025 को थाना कोन पुलिस द्वारा पंजीकृत मु0अ0सं0-146/2025 धारा 87, 137(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त विकास उर्फ बाबू पुत्र रामदास निवासी कोन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र को तेलगुड़वा मोड़ कस्बा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली टीम- 1.उ0नि0 राम गोविन्द यादव, थाना कोन, सोनभद्र। 2.हे0का0 अभिषेक कुमार यादव, थाना कोन, सोनभद्र।

नाली निर्माण में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्तः भूपेश चौबे

गुणवत्तापुर नाली निर्माण कराए संबंधित विभागःरूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नाला निर्माण कार्य तेजी के साथ

सोनभद्र। नगर पालिका परिषद रावटसगंज नगर में जल जमाव वाले क्षेत्रों/वार्डो की जल निकासी समस्या के समाधान के लिए त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत कार्यदायी संस्था सी0एण्डडी0एस0 द्वारा निर्माण कराये जा रहे नाला निर्माण कार्य के बावत उचित स्लोप के साथ नाला निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में गुरुवार को भूपेश चौबे विधायक सदर तथा रूबी प्रसाद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद द्वारा गम्भीरता के साथ बैठक कर जल जमाव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर जन समस्याओं के निस्तारण को ध्यान में रखकर पूर्ण करने हेतु सी0एण्डडी0एस0 के अवर अभियन्ता तथा सम्बन्धित ठेकेदार से वार्ता की गयी एवं त्वरित कार्यवाही हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि किसी भी प्रकार से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी आए दिन राजनीतिक पार्टियों द्वारा नाली निर्माण को लेकर विरोध ज्ञापन संबंधित मामला प्रकाश में आ रहा है जिसको गंभीरता पूर्वक संबंधित जेई व विभाग अधिकारी जांच कर उसके निस्तारण का कार्य करें। इस मौके पर विकास मिश्रा सभासद अनवर अली, सुनील सिंह,अमित दुबे,अजीत सिंह,सुजीत कुमार, विमलेश, संत सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

अभिषेक चौबे लगातार तीसरी बार बनाए गए अपना दल (एस) विधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपना दल (एस) ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय मंचों

के राष्ट्रीय अध्यक्षों की घोषणा की जहां जनपद कानपुर नगर निवासी विजय चौरसिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा मंच), जनपद झांसी निवासी दीपमाला कुशवाहा को राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला मंच), इसी क्रम में जनपद सोनभद्र के निवासी अभिषेक चौबे को राष्ट्रीय अध्यक्ष (विधि मंच) बनाया गया। अभिषेक चौबे जी पिछले 18 वर्षों से पार्टी में समर्पण भाव से एक सक्रिय सिपाही के भूमिका में निरंतर निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। पार्टी ने अभिषेक चौबे को लगातार तीसरी बार विधि मंच का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर यह संदेश दिया है कि, अपना दल एस पार्टी कभी जाति और धर्म की राजनीति नहीं करती बल्कि प्रदेश की इकलौती पार्टी है जो केवल सामाजिक उत्थान,न्याय और परिवर्तन की बात करती है। अभिषेक चौबे ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जिस प्रकार से मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंप है मैं निरंतर पार्टी के लिए काम करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। इस सूची के क्रम में जनपद कानपुर नगर निवासी एस.पी. कुरील को राष्ट्रीय अध्यक्ष (अनुसूचित जाति जनजाति मंच), जनपद जौनपुर निवासी हौसला प्रसाद पाल को राष्ट्रीय अध्यक्ष (बौद्धिक मंच), जनपद चंदौली निवासी प्रभात बरौझी को राष्ट्रीय अध्यक्ष (सहकारिता मंच), जनपद मिर्जापुर निवासी राम बाली सिंह जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष (किसान मंच) जबकि जनपद प्रयागराज निवासी डॉक्टर के. के. सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष (चिकित्सा मंच) बनाया गया। अभिषेक चौबे ने सभी नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्षों को शुभकामनाएं प्रेषित की साथ ही शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

बीजेपी सरकार मे आदिवासियों पर हो रहा जुल्म :रामराज सिंह गोंड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अध्यक्षता चोपन थाना क्षेत्र के बड़ गाव मे आदिवासियों की जोत कोड की जमीन को भू माफिया द्वारा कूट रचित तरीके से अपनें नाम करवा लिया गया है टइसकी जानकारी होते ही आदिवासियों ने न्यायालय का शरण लिया, न्यायालय के आदेश पर भू माफिया के खिलाफ 419 और 420 का मुक़दमा के बाद भी आरोपियों की स्थानीय पुलिस गिरफ्तार नहीं करती है,आरोपियों द्वारा आदिवासियों को धमकाया जा रहा हैटइस मामले को लेकर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओ शुक्रवार को आदिवासियों के साथ जिले के अधिकारी को मामले से अवगत करायातजिला कॉंग्रेस अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की बीजेपी सरकार मे आदिवासियों पर जुल्म किया जा रहा है, उनकी जमीन को फर्जी तरीके से दंवगों द्वारा ज़बर्दस्ती कब्जा किया जाता है, विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी देते है बीजेपी सरकार मे दलितों, पिछ्ड़ों ,महिलाओं आदिवासियों पर अत्याचार चरम पर है.

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 26.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

डिबाएवे ट्रस्ट सोनभद्र का कार्य अधिवक्ता हित से हैःजगजीवन सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट

सोनभद्र द्वारा डी बी ए अध्यक्ष जगजीवन सिंह की अध्यक्षता मे डी बी ए सभागार में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती केक काटकर एवम् शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हे शिद्दत से स्मरण किया गया। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट, उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह एड व सचिव पवन कुमार सिंह एड साथ में रहे! प्रेस वार्ता में अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने बताया कि ट्रस्ट के सदस्यों की आर्थिक बौद्धिक एवं सामाजिक स्तर व व्यवसाय में वृद्धि के लिए बिना हानि लाभ के कार्य करना तथा न्यास के सदस्यों की मृत्यु होने पर अधिवक्ता द्वारा नामित व्यक्ति को आर्थिक मदद करना इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है तथा न्यास के सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग व शोषित समाज तथा न्याय से वंचित व्यक्तियों को निशुल्क न्याय दिलाने का कार्य करना तब समाज के निराश्रित बच्चों को बुजुर्गों विद्वानों व विकलांग को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान कर करेगा ! ट्रस्ट की सारी प्रक्रिया पूर्ण हो गई है इसे एक जुलाई 2025 से वकालतनामा एवम् कूपन जारी कर दिया जाएगा ! उसी के आय से प्राप्त समस्त धनराशि अधिवक्ता कल्याण हेतु खर्च किया जाएगा ! डी बी ए के सभी सदस्यों को ट्रस्ट का सदस्य बने ! प्रेस वार्ता में प्रदीप कुमार मौर्य, राजेश कुमार यादव,रियाज खान, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, शांति वर्मा, वी पी सिंह, टीटू गुप्ता, शाहनवाज खान, कामता प्रसाद यादव, राजेश कुमार, महेंद्र आर्य, दसरथ यादव, राकेश कुमार सिंह, नवीन पांडेय, याकूब,आदि उपस्थित रहे।

आईजी ने किया अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर "आर0पी0 सिंह" द्वारा परिक्षेत्र के तीनों जनपदों की अपराध

एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण एवं वांछित/पुरस्कार घोषित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, शिकायती प्रार्थना पत्रों का 10 दिवस के अंदर निस्तारण, भूमि संबंधी विवादों का सम्पूर्ण समाधान दिवस/समाधान दिवस पर राजस्व विभाग के सहयोग से निस्तारित कराने, रात्रि में चैराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने, पिछले 10 वर्षों में चोरी, लूट, व अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं अवैध शस्त्र रखने वालों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा जनपद के टॉप-10, अपराधियों के विरुद्ध गुंडा, गैंगस्टर, 14(1)के अंतर्गत जब्तीकरण कराते हुए ऐसे अपराधियों का जमानत निरस्तीकरण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कठोरतम कार्यवाही के भी निर्देश दिये तथा गो-तस्करों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही कराते हुए उनके आपराधिक कृत्यों से अर्जित की गयी चल/ अचल सम्पत्ति को जब्त कराये जाने का निर्देश दिये गये साथ ही गो-तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को शासनादेश के तहत जब्त कराये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये । गोवध अधि0, पशु क्रुरता अधि0,आबकरी अधि0,चिन्हित माफिया, महिला सम्बन्धी अपराध,सम्पत्ति सम्बन्धी अपराध में विवेचना समय से पूर्ण करके निरोधात्मक कार्यवाही की जाय। इसके अतिरिक्त निर्देशित किया गया कि पोक्सो एक्ट सम्बन्धी मुकदमों में 02 माह के अन्दर प्रत्येक दशा में विवेचनात्मक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्तो को न्यायालय में सशक्त पैरवी करते हुए शीघ्र ही सजा दिलाया जाय। मादक पदार्थ के अभियुक्तों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही कराते हुए अधिक से अधिक बरामदगी कराने के निर्देश दिये गये। इस दौरान निर्देशित किया गया कि अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए महिलाओं एंव बच्चियों के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोक-थाम हेतु महिला बीट आरक्षियों द्वारा अपने-2 बीट क्षेत्र मे जाकर जनचैपाल लगाकर महिलाओं एवं बच्चियों को जागरुक करें।आगामी त्योहार मोहर्रम, गुरु पूर्णिमा, कावड़ यात्रा आदि को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी वर्ग के धर्मगुरूओं के साथ पीस कमेटी की बैठक कर समन्वय स्थापित करते हुए अराजक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

सीडीओ ने दिव्यंका त्रिपाठी को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विलास बैंक्विट

हाल चुर्क जनपद सोनभद्र में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी प्रयागराज के पदाधिकारीयों द्वारा जनपद सोनभद्र के कक्षा 10 व कक्षा 12 के प्रतिभाशाली बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इहिंदुस्तान प्रतिभा सम्मान से सम्मानितकिया गया। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी की छोटी बिटिया दिव्यंका त्रिपाठी को कक्षा 12 में विमला इंटर कॉलेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पतंजलि योग परिवार, त्रिपाठी परिवार के लोग एवं शुभ चिंतकों ने हर्ष जताते हुए शुभकामनाएं दी.

खंड शिक्षा अधिकारी नगवां को ब्लॉक स्काउट मास्टर ने किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी नगवां धनंजय सिंह को

ब्लॉक संसाधन केंद्र पर डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह महादेव ब्लॉक स्काउट मास्टर नगवां एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राशैम सोनभद्र द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ महादेव ने बताया कि एक अच्छे अधिकारी में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, निर्णय लेने की क्षमता, प्रभावी संचार टीम का नेतृत्व करने, समस्याओं का समाधान करने, और दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम होना चाहिए। जो हमारे नवागत खंड शिक्षा अधिकारी में है। आप शिक्षकों के शिक्षक कुशल मार्गदर्शक और शिक्षकों के दर्द को समझने वाले हैं। विकासखंड नगवा जैसे दुर्गम एवं विषम भौगोलिक क्षेत्र वाले भू भाग में सेवा दे रहे हैं शिक्षकों की समस्याओं को भी बखूबी समझते हैं। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी धनंजय सिंह ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक वह है जो न केवल ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी करता है, उनके विकास में सहायक होता है और उन्हें जीवन में सफल होने के लिए तैयार करता है। इस अवसर पर जय प्रसाद चौरसिया प्रधानाध्यापक पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी, विनोद मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष, महेंद्र जायसवाल पूर्व ब्लाक अध्यक्ष, पीएन सिंह, श्रीकांत दुबे, अरविंद पांडेय, महेश भारती, उर्मिला, मुकेश, ओमप्रकाश, प्रशांत मिश्रा, महेंद्र, उमेश दुबे, अजय, देवेंद्र, अंकित, राकेश, हरिओम, रविकांत मौर्य, राजीव सिंह, अमन मौर्य, रामदुलार सिंह सहित दर्जनों शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। नए सत्र की शुभकामनाओं के साथ सत्र समापन की घोषणा की गई।

स्वास्थ्य व जीविका पर आयोजित हुई गोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास समिति द्वारा गुरुवार को ग्राम पंचायत 'सलखन'

के नौकटोला में 'स्वास्थ्य व जीविका' पर कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे संस्था के प्रोजेक्ट को ऑर्डिनेटर मुमताज ,कम्युनिटी मोबिलाइजर चंद्रशेखर , बीना , रौशनी आशा व आंगनवाड़ी उपस्थित रही।मुमताज ने प्रथम संबोधन में बताया कि स्वास्थ्य व जीविका पर जागरूकता आधारित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिका स्वास्थ्य, जीविका, सशक्तिकरण , शिक्षा को बढ़ाना व आत्मनिर्भर बालिका निर्माण हैं। चंद्रशेखर ने बालक बालिका को एकसमान बताते हुए कौशल के महत्वपूर्ण बिन्दु का व्याख्यान किया और बालिका शिक्षा को संजीवनी बताते हुए, बालिका संरक्षण आधारित विभिन्न कानूनी अधिकार का व्याख्यान किया। बीना व रौशनी ने प्रश्न उत्तर कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के सम्पूर्ण जिज्ञासापूर्ण स्वास्थ्य सम्बंधित प्रश्नों का जवाब दिया व सरकार द्वारा हिंसा सम्बन्धित मिशन योजना के बारे में बताया और स्वच्छता व स्वास्थ्य पर बालिकाओं से बात किया।

आम जनमानस की समस्याओं को लेकर भड़के विधायक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के पटवध बसकटवा कुरहूल संपर्क मार्ग जो बीते कई महीनों से क्षतिग्रस्त है जिसको लेकर सदर विधानसभा भूपेश चौबे ने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पटवध बसकटवा कुरहूल संपर्क मार्ग जा पहुंचे वहीं संबंधित अधिकारियों के साथ पीडब्लूडी के अधिकारि एक्सियन जेई एई के साथ निरीक्षण किया। सड़क की हालत खराब होने से स्थानीय जनता काफी परेशान झेलनी पड़ती है जिसको लेकर अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए निर्देशित किया जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य कराया जाए किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि बरसात शुरू हो गई है जिससे आमजन की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कार्य किसी भी प्रकार से सड़क निर्माण कार्य कराया जाए । वहीं मौजूद लोगों से भरोसा दिलाया कि जल्द ही यह रोड नए सिरे से बनेगी विधानसभा की जनता की समस्याओं का समाधान एवं क्षेत्र का समुचित विकास ही मेरी प्राथमिकता है।इस मौके पर दीपक दुबे, विकास मिश्रा, गौरव शुक्ला, शिवम् सिंह, आशीश केशरी,शशि, देवेंद्र विमलेश पटेल आदि लोग मौजूद थे।

आईसीसी ने क्रिकेट के 6 नियमों में बदलाव किएःटेस्ट में 60 सेकेंड में ओवर शुरू करना होगा, दो वॉर्निंग के बाद 5 रन कट

नयी दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने हाल ही में पुरुष क्रिकेट के 6 नियम

बदले हैं, ताकि खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाया जा सके। टेस्ट क्रिकेट में ये नियम नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के लिए लागू हो चुके हैं। वहीं, सीमित ओवर (वनडे और टी-20) फॉर्मेट में ये नियम 2 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आईसीसी ने सभी देशों से नियमों में किए गए बदलावों की जानकारी साझा की है। टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम- आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में अब स्टॉप क्लॉक नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत फील्डिंग टीम ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से अधिक देर करती है तो उसे दो बार वॉर्निंग दी जाएगी। इसके बाद भी अगर यह नियम टूटा तो पेनाल्टी के तौर पर उसके 5 रन काट लिए जाएंगे। टी-20 और वनडे क्रिकेट में यह नियम एक साल पहले ही लागू हो चुका है। शॉर्ट रन पर जुर्माना- आईसीसी ने तीनों फॉर्मेट के लिए शॉर्ट रन का नियम भी बदला है। जानबूझकर शॉर्ट रन लेने पर पहले 5 रन का जुर्माना लगता था। अब अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे पिच पर मौजूद दोनों में से किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं। 5 रन के जुर्माना वाला नियम भी लागू रहेगा।गलती से सलाइवा लगाई तो गेंद नहीं बदलेगी- गेंद पर सलाइवा (लार) लगाने पर बैन जारी रहेगा। हालांकि, गलती से सलाइवा लगाने पर बॉल बदलना अनिवार्य नहीं होगा। अंपायर सिर्फ तभी गेंद बदलेंगे, जब उसकी स्थिति में भारी बदलाव हो, जैसे कि गेंद बहुत गीली हो या उसमें एक्स्ट्रा चमक हो।यह फैसला अंपायर के विवेक पर निर्भर होगा। अगर उसे लगता है कि गेंद की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है तो इसे नहीं बदला जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।कैच रिव्यू में एलबीडब्लू की भी जांच होगी।आईसीसी ने कैच का नियम भी बदला है। अगर कैच आउट रीव्यू में गलत साबित होता है, लेकिन गेंद पैड पर लगी हो तो टीवी अंपायर एलबीडब्लू की भी जांच करेंगे। अगर बैटर एलबीडब्लू आउट है तो उसे आउट दे दिया जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

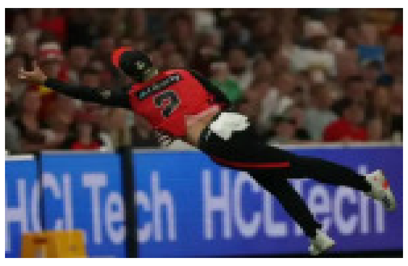

नोबॉल पर कैच-सॉफ्ट सिग्नल (अंपायर का लिया रिव्यू) लिया गया है और नो बॉल पर कैच पर सही है तो बल्लेबाजी टीम को नो-बॉल का एक रन एक्स्ट्रा मिलेगा। कैच सही नहीं है तो नो बॉल का एक रन और दौड़कर बनाए गए रन भी मिलेंगे। आईसीसी ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों में बदलाव किए हैं। नए नियम जुलाई से लागू होंगे और इनमें यह स्पष्ट किया गया है कि अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए गए हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर कम कर दिए जाएंगे।पहले कैच के डाउट होने पर फील्ड अंपायर थर्ड अंपायर को रैफर करता था और टीवी अंपायर बताता था कि ये नो बॉल थी, तो कैच की जांच नहीं होती थी। लेकिन अब उसकी जांच की जाएगी। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।5 ओवर के मैच में 1.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 6 ओवर के मैच में 1.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 7 ओवर के मैच में 2.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 8 ओवर के मैच में 2.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 9 ओवर के मैच में 2.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 10 ओवर के मैच में 3 ओवर पावरप्ले होंगे। 11 ओवर के मैच में 3.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 12 ओवर के मैच में 3.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 13 ओवर के मैच में 3.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 14 ओवर के मैच में 4.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 15 ओवर के मैच में 4.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 16 ओवर के मैच में 4.5 ओवर पावरप्ले होंगे। पावरप्ले के दौरान केवल दो फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर रह सकते हैं। ये नियम छोटे टी-20 मैचों को और स्पष्ट और निष्पक्ष बनाने के लिए लागू किए गए हैं।मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव की सिफारिश की थी। ये बाउंड्री से बाहर जाकर बॉल उछालने पर लिए जाने वाले कैच से संबंधित था। यह बदलाव एमसीसी अक्टूबर 2026 से शामिल करेगा। आईसीसी ने इसे मंजूरी दे दी है। यह 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाले टेस्ट से लागू हो चुका है।

पंजा लेने वाले गेंदबाज को आईसीसी ने क्यों दी सजा?पहली पारी में कर बैठे थे यह बड़ा अपराध

बारबाडोस। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करने वाले कैरेबियाई तेज गेंदबाज जेडन सील्स महीने की अवधि में उनके डिमेरिट अंकों की संख्या दो हो गई है।' यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर के दौरान घटित हुई थी। तब सील्स ने ऑस्ट्रेलिया के फटकार और अधिकतम दंड के रूप में खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जाते हैं।सील्स ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 60

पर उनकी मैच फीस के 15 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के कारण एक डिमेरिट प्वाइंट भी मिला है। यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिजटाउन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की घटना के कारण हुई।आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से संबंधित है।' इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए यह 24 महीने की अवधि में दूसरा अपराध था, जिससे 24 कप्तान पैट कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के मुताबिक खिलाड़ियों के आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह इशारा उकसाने या अपमानजनक भाषा के दायरे में आता है।आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे। सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा डिमेरिट पॉइंट है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट में डिमेरिट पॉइंट मिला था।लेवल 1 उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड के रूप में आधिकारिक रन देकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने दूसरी पारी में भी कसी हुई गेंदबाजी की है और 24 रन देकर एक विकेट ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का स्कोर फिलहाल दूसरे दिन के स्टंप्स तक 4 विकेट के नुकसान पर 92 रन है और उसकी कुल बढ़त 82 रनों की हो चुकी है।बता दें, यह ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज दौरा है और यह तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का ओपनिंग मैच है। सील्स और शमार जोसेफ की बढ़िया गेंदबाजी के चलते वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में केवल 180 रनों पर समेट दिया था। हालांकि वेस्टइंडीज की पारी भी केवल 190 रनों पर आउट हो गई थी। फिलहाल इस मैच का तीसरा दिन अहम होगा, जहां ऑस्ट्रेलिया अपने निचले मध्यक्रम से और वेस्टइंडीज टीम अपनी पेस बैटरी के प्रदर्शन पर बहुत हद तक निर्भर करेगी।

संजना गणेशन ने दिया ऐसा जवाब छूटने लगे जसप्रीत बुमराह के पसीने, हरभजन सिंह-गीता बसरा के शो का वीडियो वायरल

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज तर्रार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टीवी प्रेजेंटर संजना गणेशन ने 2021 में शादी रचाई थी। दोनों का एक बेबी बॉय भी है, जिसका नाम अंगद जसप्रीत बुमराह है। बुमराह और संजना सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं और एक दूसरे के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। संजना जब भारत की कोई सीरीज कवर कर रही होती हैं तो वह कभी-कभी खुद बुमराह का इंट्रव्यू लेती हुई नजर आती हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर अब बुमराह और संजना की एक शो से वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें संजना एक मजेदार बात का खुलासा

करती हैं।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह और उनकी पत्नी गीता बसरा के शा 'Who's the Boss' में जसप्रीत बुमराह और उनकी वाइफ संजना गणेशन आई। इस शो में बातचीत करते हुए संजना ने एक मजेदार बात की, जोकि अब वायरल हो रही है।संजना और बुमराह किसी बारे में बात कर रहे होते हैं। वीडियो से प्रतीत हो रहा है कि दोनों की शादी के बारे में बात हो रही है। संजना कहती हैं, 'जसप्रीत कहते हैं चलो भागकर करते हैं, तो मैंने कहा, भागते तो तुम रनअप में भी नहीं भागते, तुम मेरे साथ क्या भागोगे?'भारतीय टीम इस वक्त इंग्लैंड का दौरा कर रही है, जहां टीम 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेल रही है। लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

'खेल क्रांति' की हीरो ब्लू गर्ल, जिसके आगे ईरान को झुकना पड़ा, इस्लामिक कट्टरवाद की अटक गई थी सांसें!

नयी दिल्ली। पारिसाटिस, यह सिर्फ नाम नहीं, अपने आप में इतिहास है। लगभग 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के

दौरान की महारानी, जिसकी तूती बोलती थी। बेटे साइरस के हत्यारों को इतनी क्रूर सजा दी कि आज तक लोग भूल नहीं पाते। महान जंगें लड़ने वाले फारस के एक से बढ़कर एक खूंखार पुरुष योद्धाओं के बीच ऐसी महिला, जिसका प्रभाव दरबार में किसी भी ताकतवर राजा से अधिक था। यह वही फारस है, जिसे पर्सिया के नाम से भी जानते हैं और उसे ही फिलहाल ईरान कहा जाता है। महान फारसी इतिहासकारों में से एक जेनोफॉन ने अपनी बुक 'अनाबासिस' में 'कुनाक्सा युद्ध' (वह मौजूद थे) की बात करते हुए लिखा था- युद्ध में दो पक्ष लड़ जरूर रहे थे, लेकिन सबसे अधिक प्रभाव पारिसाटिस का था। वह किसी भी पुरुष से अधिक ताकतवर थीं। एक वो दौर था जब फारस पर महिला का राज हुआ करता था और एक आज का दौर है, जहां महिलाओं को खुली हवा में सांस लेने तक की आजादी नहीं है। इजरायल से युद्ध लड़ रहे ईरान में ह्यूमन राइट्स ताक पर है तो इस्लामी गणतंत्र के खिलाफ उठने वाली आवाजों को बेरहमी से रौंद दिया जाता है। ऐसी ही एक आवाज थीं सहर खोदयारी, जिन्हें ब्लू गर्ल नाम से भी जाना जाता था। कुछ वक्त के लिए इस्लामिक कट्टरवाद की सांसें तक अटक गईं। इस 29 साल की लड़की ने दम तोड़ते ह्यूमन राइट्स, महिलाओं के लिए संवेदनहीन कानून और पुरुष सत्ता के खिलाफ न केवल मोर्चा खोला, बल्कि लंबी लड़ाई लड़ी और खुद को कुर्बान कर दिया। साथ ही जानेंगे कि कभी खुले विचारों के प्रशंसक रहे ईरान में महिलाओं के प्रति इतनी कठोरता क्यों और कैसे आई।क्रांतिकारी सहर खोदयारी के बारे में बात करें इससे पहले हमें थोड़ा फ्लैशबैक में जाना होगा। ईरान में फुटबॉल स्टेडियमों में महिलाओं के प्रवेश को लेकर नियम और कानून समय के साथ बदलते रहे हैं और यह एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। खासकर ईरानी क्रांति से पहले और बाद की स्थिति में काफी अंतर रहा। ईरान में इस्लामिक क्रांति 1978 में शुरू हुई और फरवरी 1979 में शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन को उखाड़ फेंकने के साथ समाप्त हुई। पहलवी की 'श्वेत क्रांति' नामक आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण की नीतियों ने समाज के रूढ़िवादी और कट्टरपंथी तबके को नाराज कर दिया था। खैर, 1979 की इस्लामिक क्रांति जब खत्म हुई तो सबसे अधिक असर महिलाओं के हक पर पड़ा। महिलाओं को पुरुषों के खेल आयोजनों में स्टेडियम में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। मौलवियों का तर्क था कि स्टेडियम का माहौल महिलाओं के लिए उपयुक्त नहीं है और उन्हें ऐसे माहौल से दूर रखा जाना चाहिए जहां पुरुष कम कपड़ों में हों।अब बात करते हैं सहर की। सहर खोदयारी एक ईरानी महिला थीं, जिन्हें उनकी फुटबॉल टीम एस्टेगलाल के प्रति उनके गहरे प्यार के कारण 'ब्लू गर्ल' के नाम से जाना जाने लगा। ईरान में महिलाओं को पुरुषों के खेल आयोजनों में स्टेडियम में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। इस प्रतिबंध के बावजूद सहर ने 2019 में अपनी पसंदीदा टीम का मैच देखने के लिए एक पुरुष के वेश में स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। सहर का फुटबॉल के प्रति प्यार पागलपन से भी कहीं आगे की बात थी। ईरान की लगभग हर महिला में सहर बसतीं हैं। एक बड़ा तबका खुली हवाओं में सांस लेना चाहता है। यही वजह है कि समय-समय पर ईरान में विद्रोह की स्थिति बनती रही है, लेकिन बारूद के दम पर हर किसी की आवाज दबा दी जाती है। कुछ ऐसा ही उस समय भी हुआ।सहर को स्टेडियम में प्रवेश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया। वह पुरुष के वेश में थीं। उन्हें कुछ दिनों के लिए हिरासत में रखा गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन पर 'हिजाब न पहनने' और 'अधिकारियों का अपमान करने' का आरोप लगाया गया था। ईरान में इसके लिए सख्त कानून है। कोड़े मारे जा सकते हैं। 5-15 साल तक की जेल हो सकती है। सरकारी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ सकता है और अगर कई बार इसका आरोप लगा तो मौत भी दी जा सकती है। यहां सहर को अपने कोर्ट केस पर सुनवाई के लिए 6 महीने का इंतजार करना पड़ा, लेकिन जब वह कोर्ट में पेश हुईं तो पता चला कि जज ने पारिवारिक कारणों से सुनवाई स्थगित कर दी है। जब वह फोन लेने कोर्ट पहुंचीं तो पता चला कि उन्हें छह महीने की जेल की सजा हो सकती है।इसके खिलाफ सहर ने 2 सितंबर 2019 को तेहरान की एक अदालत के बाहर खुद को आग लगा ली। वह गंभीर रूप से जल गई थीं। उनकी 9 सितंबर, 2019 को मृत्यु हो गई। इस दुखद मौत ने ईरान को इंटरनेशनल लेवल पर शर्मसार किया और देश में एक अलग तरह की क्रांति पैदा हो गई। पुरुष भी खुलेआम स्टेडियम में महिलाओं की एंट्री के लिए आवाज उठाने लगे। इस घटना ने ईरान में महिलाओं के स्टेडियम में प्रवेश पर प्रतिबंध के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को और तेज कर दिया। ईरान की पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान मसूद शूजाई ने इंस्टाग्राम पर कहा कि यह प्रतिबंध 'पुराने और घृणित विचारों में निहित है, जिन्हें भविष्य की पीढ़ियां नहीं समझ पाएंगी।' फीफा चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने भी इस प्रतिबंध को हटाने के लिए भारी दबाव डाला, जिसके आगे ईरान को झुकना पड़ा। हालांकि, आज भी महिलाओं को स्टेडियम में उस तरह की आजादी नहीं है, जिस तरह की आजादी भारत या अन्य देशों में है।उस समय फीफा ने ईरान को धमकाया कि अगर विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करनी है तो महिलाओं को छूट देनी होगी। अक्टूबर 2019 में ईरान ने 40 साल में पहली बार महिलाओं को तेहरान के आजादी स्टेडियम में फीफा विश्व कप क्वालीफायर मैच देखने की अनुमति दी। उस समय लगभग 3,500 महिलाएं मैच देखने पहुंची थीं। उनके लिए स्टेडियम में एक अलग सेक्शन बनाया गया था और महिला पुलिसकर्मी उनकी निगरानी कर रही थीं। यही वजह है कि मुस्लिम महिलाओं के बीच सहर को क्रांति का प्रतीक माना जाता है। 2022 में कतर विश्व कप के लिए ईरान की योग्यता सुनिश्चित करने वाले इराक के खिलाफ मैच में भी लगभग 2,000 महिलाओं को स्टेडियम में प्रवेश मिला था। यह अक्सर फीफा के सीधे आदेश या दबाव के परिणामस्वरूप होता है। यानी अगर फीफा दबाव बनाना बंद कर दे तो हालात फिर वही हो जाएंगे। यही नहीं, मई 2025 में कुछ धार्मिक अधिकारियों की मांग पर एक राष्ट्रीय टीम के मैच को मशहद में रद्द कर दिया गया था, क्योंकि वे महिलाओं पर प्रतिबंध चाहते थे।आज इजरायल के खिलाफ ईरान युद्ध लड़ रहा है। दोनों देश लगातार एक-दूसरे पर बम बरसा रहे हैं, जिसमें मरने वालों में लिंग भेद जैसा पक्षपात नहीं है, तो उम्मीद है भविष्य में लोग समझेंगे कि खुले आसमान में सांस लेने का हक जितना पुरुषों का है उतना ही महिलाओं का है। कहा जाता है आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं तो आप सिर्फ एक आदमी को शिक्षित करते हैं। आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। जो पुरुष ताकत का दंभ भरता है वह किसी महिला से ही पैदा होता है, वो आसमान से नहीं गिरता। उसका पहला कदम 'मां' की मदद से बढ़ता है। वो पहला शब्द 'मां' कहता है और हैरत की बात है कि वही पुरुष बड़ा होकर इसी 'मां, बहन, बीवी, भाभी' जैसे रिश्तों वाली महिलाओं पर हुकूमत करना चाहते हैं।

मेंटल हेल्थ- मेरे दादा और पापा को अल्जाइमर थाःक्या मुझे और मेरे बेटे को भी हो जाएगा

नयी दिल्ली। अल्जाइमर में एक पेशेंट के सवाल जवाब एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके।

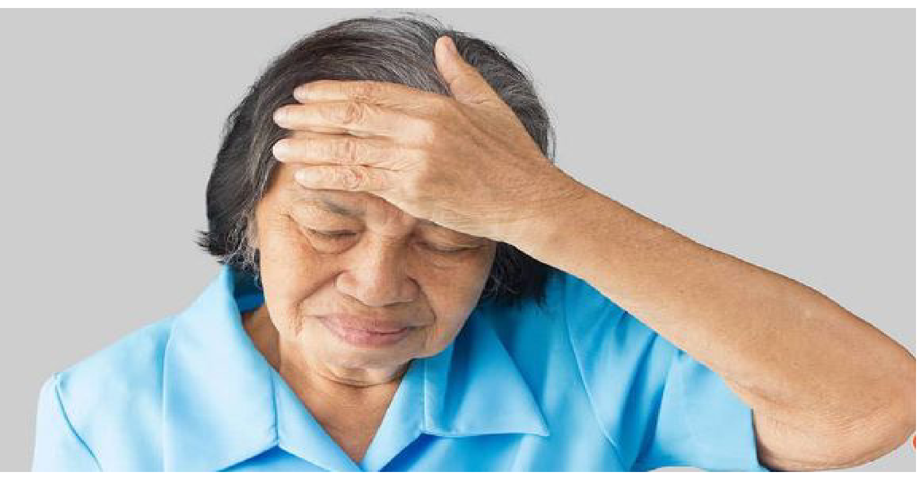

यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। विशेषयज्ञ से सवाल- मेरा सवाल थोड़ा अजीब लग सकता है क्योंकि मेरे साथ अभी ऐसा कोई गंभीर मेंटल हेल्थ इशु नहीं है। मेरे दादाजी को एक्यूट अल्जाइमर था। अपने जीवन के आखिरी दस सालों में वो सबकुछ भूल गए थे। घर में किसी को भी नहीं पहचानते थे। अपने बच्चों को भी नहीं। ऐसी हालत में उन्हें संभालना काफी चैलेंजिंग होता था क्योंकि वो कभी भी घर से निकल जाते और उन्हें घर का रास्ता भी याद नहीं रहता था। हमें हर वक्त उनके गले में घर का एड्रेस और फोन नंबर लिखी हुई चिट टांगकर रखनी पड़ती थी। उनकी डेथ को 8 साल हो चुके हैं। पिछले कुछ समय से मेरे पापा में भी अल्जाइमर के लक्षण दिखने शुरू हो गए हैं। वो छोटी-छोटी चीजें भूल जाते हैं। डॉक्टर का कहना है कि ये अल्जाइमर की शुरुआत है। मेरी उम्र अभी 36 साल है। तीन साल पहले मेरी शादी हुई थी और मेरा 1 साल का एक बेटा है। मेरी चिंता ये है कि अगर ये अल्जाइमर जेनेटिक है और मेरी फैमिली में ही रन कर रहा है तो एक-न-एक दिन मुझे भी अल्जाइमर हो जाएगा और मेरे बेटे को भी। इस बात ने मुझे चिंतित कर दिया है। क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे अल्जाइमर को होने से रोका जा सके। क्या मैं अभी से कुछ सावधानियां बरत सकता हूं, कुछ ऐसे काम कर सकता हूं, जिससे मुझे ये मेंटल हेल्थ कंडीशन कभी न हो।जवाब- आपका सवाल बिलकुल भी अजीब नहीं है, बल्कि यह बहुत जिम्मेदारी और समझदारी से पूछा गया सवाल है। आप न सिर्फ अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सजग हैं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए भी सोच रहे हैं। यह काबिल-ए-तारीफ है। एक सीनियर साइकेट्रिस्ट के रूप में मैं आपकी चिंता को गंभीरता से समझता हूं। नीचे मैं आपके लिए एक समग्र व साक्ष्य पर आधारित सेल्फ एसेसमेंट और सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं।दादा और अब पिता, दोनों में अल्जाइमर के लक्षण। ऐसे में जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में 1.5-3 गुना अधिक होता है। यदि माता-पिता, दोनों में अल्जामइर्स हो तो यह जोखिम 5 गुना तक भी हो सकता है। हालांकि फैमिली हिस्ट्री सिर्फ एक रिस्क फैक्टर है। रिस्क फैक्टर होने का मतलब यह नहीं कि आपको यह बीमारी जरूर होगी।अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।आपकी उम्र अभी सिर्फ 36 साल है। यह प्राइमरी प्रिवेंशन का बहुत सही समय है।आपके सवाल को देखते हुए आपकी मौजूदा चिंता को कुछ इस तरह डिफाइन किया जा सकता है। बार-बार यह सोचना कि मैं भविष्य में सबकुछ भूल जाऊंगा। अपने बेटे की परवरिश को लेकर डर सताना। हर बार कोई मामूली सी बात भूल जाने को भी संभवतः 'अल्जाइमर का लक्षण' समझ लेना। इस फिक्र के कारण बेचैनी, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, मानसिक थकान महसूस होना।आप जिस समस्या से गुजर रहे हैं, उसकी इंटेंसिटी कितनी है, यह जानने के लिए आपको नीचे दिया गया सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट करना चाहिए। सेल्फ हेल्प काफी होगी या आपको प्रोफेशनल मदद की जरूरत है। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी नीचे ग्राफिक में दिया है। सवालों को ध्यान से पढ़ें और अपना एसेसमेंट करें। मनोविज्ञान में मानसिक समस्याओं का हल करने के लिए प्रायः सीबीटी टेक्नीक का प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कॉग्निटिव बिहेवियर टेक्नीक। आप खुद भी ये कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं। इसे करने का मकसद सचेत तरीके से अपने सोचने के तरीके को बदलना है। यह समझना कि हमें जिस बात का डर सता रहा है, वो डर वाजिब है भी या नहीं। लगातार प्रैक्टिस और पॉजिटिव हस्तक्षेप से अपने सोचने के तरीके में बड़े सार्थक बदलाव किए जा सकते हैं। इसका एक उदाहरण नीचे ग्राफिक में दिया है। फिलहाल जो भी ख्याल आपको डराते हैं, आप खुद को उसका पॉजिटिव जवाब कैसे दें।अनेकों साइंस रिसर्च और स्टडी से यह साबित हो चुका है कि अल्जाइमर का फूड हैबिट्स और लाइफ स्टाइल से बिल्कुल सीधा संबंध है। इसलिए मैं आपको तीन प्रमुख सुझाव देना चाहूंगा- फूडः अपने भोजन को लेकर बहुत सचेत रहें। अच्छा, हेल्दी, फाइबरयुक्त खाना खाएं। टॉक्सिनः सिगरेट-शराब से दूरी बनाकर रखें। स्लीपः रोज 8 घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से दूर रहें। वर्कआउटः रेगुलर एक्सरसाइज करें।14 यूनिट/सप्ताह से ज्यादा शराब लेने पर ब्रेन के ग्रे मैटर वॉल्यूम में कमी देखी गई है। नियमित शराब के सेवन से वर्किंग मेमोरी, फंक्शनल मेमारी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। शराब पीने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, न्यूरोरेस्टोरेशन घटता है। यदि आप डिमेंशिया से बचना चाहते हैं तो शराब से दूर रहना बहुत जरूरी है।ब्रह्मरी प्राणायामः यह चिंता को कम करता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। नाड़ी शोधन प्राणायामः इससे फोकस बढ़ता है। त्राटक : इससे विजुअल फोकस बढ़ता है और ब्रेन एक्टिवेशन होता है। वज्रासन व ध्यानः इससे डाइजेशन अच्छा रहता है। ब्रेन का फ्रंटल लोब बेहतर काम करता है।

पैट कमिंस ने चकनाचूर कर डाला ऑल टाइम रिकॉर्ड टेस्ट में ऐसा करने वाले बने ऑस्ट्रेलिया के पहले कप्तान

बारबाडोस/नयी दिल्ली। बारबाडोस के ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवल में एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। केसी कार्टी को आउट करते ही पैट कमिंस हालांकि, स्पिन गेंदबाज के रूप में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट लेने

वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पैट कमिंस ने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने एक 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम था।

पैट कमिंस ने केसी कार्टी को तीसरे दिन के पांचवें सत्र में आउट करके यह रिकॉर्ड बनाया और फिर चौथे दिन के दूसरे सत्र में रोस्टन चेज को आउट करके इसे और आगे बढ़ाया। वेस्टइंडीज के कप्तान चेज 44 रनों की मजबूत पारी खोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी कमिंस ने उन्हें ने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में टेस्ट विकेटों की संख्या में रिची बेनो के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

इसके बाद रोस्टन चेज को आउट करके उन्होंने बेनो को पीछे छोड़ दिया और कप्तान के रूप में टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सर्वकालिक सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इस प्रतिष्ठित सूची में कमिंस अब महान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के बाद दूसरे स्थान पर हैं।कमिंस संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले टेस्ट कप्तान भी हैं, जिनके नाम 9 पांच-विकेट हॉल हैं - इमरान खान के मौजूदा रिकॉर्ड 10 से एक कम। वाले गेंदबाजों की सूची में रिची बेनो शीर्ष पर बने हुए हैं। पैट कमिंस ने 2021 में टिम पेन की जगह ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान बने और अब तक 28 मैचों में अपने देश का नेतृत्व किया है।तुलनात्मक रूप से रिची बेनो ने ऑस्ट्रेलिया का 35 टेस्ट में नेतृत्व किया और इमरान खान ने कप्तान के रूप में 48 लाल गेंद के टेस्ट खेले। टेस्ट कप्तान के रूप में पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई है, जहां उन्होंने 2023 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीता और 2025 में फिर से फाइनलिस्ट के रूप में क्वालीफाई किया।

नई चीजों को सीखना हमेशा बहुत ऊर्जादायक होता है

'कोनिचिवा, वताशी वा निशेविता देसु' 13 साल की उम्र में जब हमारी बेटी ने अपनी पहली जापानी क्लास से लौटकर ये लाइन बोली तो मेरी

पत्नी और मैं अवाक् होकर एक दूसरे की ओर देखकर पूछने लगे कि 'ये क्या है।' मेरी बेटी ने हमारे हाथ थामे और बोली 'कोनिचिवा' का मतलब है 'शुभ दिन', 'वताशी वा' का मतलब है 'मैं हूं या मेरा नाम' और फिर आप तो मेरा नाम जानते ही हो। और 'देसु' का अर्थ 'है'। और उसके बाद कई दिनों तक हमने अपनी सामान्य बातचीत में कई जापानी शब्द सुने। हमारा उत्साह इतना बढ़ गया कि कई बार वो हमें चॉपस्टिक से पॉपकॉर्न खाना सिखाती थी! हंसिए नहीं। इसमें एक विज्ञान है, जो मैं आपको बाद में बताऊंगा। और भरोसा कीजिए कि परिवार के तौर पर जब लोग हमें ऐसी मजेदार गतिविधि करते हुए देखते तो वो सोचते कि हम पागल हो गए हैं। यहां तक कि उस वक्त मैं खुद भी ऐसा सोचता था। जब भी हम चाइनीज रेस्तरां में जाते तो पूरा परिवार बहुत सहजता से चॉपस्टिक से खाना खाता और पूरा रेस्तरां हमें ऐसे देखता जैसे हम किसी प्रदर्शनी की वस्तु हैं। यहां तक कि कुछ लोग बच्चों को हमारे पास हमें यह सीखने के लिए भी भेजते कि चॉपस्टिक को कैसे पकड़ा जाता है और मैं उन्हें सिखाता था। इस प्रकार हमारा बाहर खाना एक अलग अनुभव बन गया था। अब चॉपस्टिक से पॉपकॉर्न खाने के पीछे के विज्ञान पर आते हैं। हाल ही मुझे समझ आया कि एक अध्ययन है, जो एकाग्रता बढ़ाने और भोजन पर अधिक ध्यान देकर उसका आनंद बढ़ाने के लिए चॉपस्टिक से पॉपकॉर्न खाने की सलाह देता है। खाने का यह 'अपारंपरिक' तरीका आपको एक नया अनुभव देता है, भले ही आप कुछ जाना-पहचाना ही खा रहे हों। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह पाया गया कि चॉपस्टिक से पॉपकॉर्न खाने वाले लोगों ने अधिक आनंद की बात कही, बजाय उनके जिन्होंने सामान्य तरीके से खाया। जबकि दोनों समूहों को धीरे-धीरे खाने के लिए कहा गया था। यह सब मुझे तब याद आया जब मैंने पुणे के पास बीड जिले में छोटे से गांव उमरद खालसा के 11 वर्षीय राहुल जयदेव के बारे में सुना। जब वह कहता है, 'इच विल नैच ड्यूशलैंड रेजेन' (मैं जर्मनी जाना चाहता हूं), तो लोग उसे देखकर आश्चर्य करते हैं। हर शनिवार को होने वाली जर्मन की कक्षा में लोग अचानक एक स्वर में बोलते हैं 'इच लाइबे ड्यूश' (हमें जर्मन पसंद है)। स्थानीय जिला परिषद स्कूल में उनकी जर्मन कक्षाएं अब साप्ताहिक कामकाज का हिस्सा हैं। यह पहल तब शुरू हुई, जब जर्मनी में काम कर चुके केदार जाधव ने नवंबर 2022 में विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाना शुरू किया। पुणे के पास सिंधुदुर्ग का एक और दूरस्थ गांव चौकुल है, जहां महज 30 घर हैं। इस गांव में बमुश्किल सेलफोन नेटवर्क है, पर यहां के बच्चे जापानी बोलते हैं। जब यहां के शिक्षक जावेद तंबोली ने देखा कि मराठी स्कूलों में नामांकन घट रहा है, क्योंकि अभिभावक अंग्रेजी माध्यम के संस्थान चुन रहे हैं तो उन्होंने नवाचार किया। 'जॉयफुल सैटरडे' पहल के तहत विद्यार्थियों को जर्मन सिखाना शुरू किया। संभाजीनगर, वडोना की कक्षाओं में ना सिर्फ मराठी-अंग्रेजी, बल्कि जापानी के भी शब्द सुने जा सकते हैं। बीते दो वर्षों से शिक्षिका सुनीता लहाने पहली से पांचवीं के बच्चों को बुनियादी जापानी सिखा रही हैं। सतारा के सूखा प्रभावित तालुका मान में बालाजी जाधव ने महाराष्ट्र का संभवतः सबसे महत्वाकांक्षी आधारभूत भाषा कार्यक्रम शुरू किया है। वह पहली से चौथी के 40 बच्चों को जापानी सिखा रहे हैं। उन्हें लगता है कि ग्रामीण छात्र भाषायी बाधाओं के कारण वैश्विक अवसरों से वंचित रह जाते हैं और वे इस परिपाटी को बदलना चाहते हैं। फंडा यह है कि नई चीजों को समझना-सीखना, चीजों को सरल बनाना, सकारात्मक सोच, सेहतमंद खाना, सामाजिक मेलमिलाप, ध्यान, चलना-फिरना, यात्रा करना, कृतज्ञता, सूर्य का प्रकाश, प्रकृति, संगीत, नींद और अंततः आराम बहुत सारी ऊर्जा देता है। जबकि डर, बुरी खबर, तनाव, हड़बड़ाहट, शराब, फास्ट फूड, आत्म आलोचना, जरूरत से अधिक काम, नींद की कमी, टालमटोल, सोशल नेटवर्क, नकारात्मक सोच, पुरानी बातों को सोचते रहने से ऊर्जा समाप्त होती है।

क्या आप अपनी स्किल, हेल्थ, टाइमपास संबंधी चेतावनियां सुन पा रहे हैं?

अगर आप 19 से 35 वर्ष की आयु के बीच में हैं, तो दूर बज रही चेतावनी वाली घंटियां सुनकर कान मत बंद कर लीजिए। आज भले ही आपको लगे कि तत्काल ये खतरा नहीं है। पर मेरा भरोसा करें कि ऊपर बताए गए आयुवर्ग के भविष्य पर यह गहरा असर

डालने जा रहा है। यहां तीन ऐसे क्षेत्र हैं, जो तब ही दिखेंगे, जब आपकी नजर पैनी होगी। 19 से 25 वर्ष के लिए टाइमपास का एरियाः 'यदि आप कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट हैं तो कृपया रात 9 बजे तक घर आ जाएं और यदि लेट हो रहे हैं तो कम से कम 9.01 तक लौट ही आएं।' इस पर हंसे नहीं। ये मजाक नहीं है। कॉलेज के जिन कार्यक्रमों में मैं गया हूं, वहां यह कहता रहा हूं। मैं इसके कारण भी बताता रहा हूं। ज्यादातर अपराध रात 9 से सुबह 4 बजे तक होते हैं। इसके सबूत भी हैं। इस साल के पहले चार महीनों में गोवा पुलिस ने 2021 से 2024 की तुलना में अधिक नशीली दवाएं जब्त की हैं। चार वर्षों में पुलिस ने वहां 21 करोड़ रु. की ड्रग जब्त की, जबकि चार महीनों में ही 68 करोड़ रु. की कर ली है! चूंकि राज्य में ड्रग की अवैध तस्करी और खासतौर पर युवाओं में इसका इस्तेमाल बढ़ा है, इस स्थिति में गोवा पुलिस ने अभिभावकों से मदद मांगी है कि वे देर से घर लौटने वाले बच्चों और उनकी आदतों पर नजर रखें। यदि आप टाइमपास करना चाहते हैं तो दिन में करें, वो भी खुली जगहों पर ना कि धुएं के गुबार में किसी छिपी जगह पर! 25 से 35 आयु वर्ग के लिए सेहत का क्षेत्रः यदि आप सोचते हैं कि आपको डेस्क जॉब मिल गई है और आपको लगता है कि 'जिंदगी कट जाएगी', तो मैं आपसे पूछता हूं, 'कहां से कटेगी'। यह भी कोई मजाक नहीं। इसके भी सबूत हैं। बेंगलुरु के डॉक्टर्स का कहना है कि वे युवाओं में तेजी से बढ़ते स्लिप डिस्क के मामले देख रहे हैं। उनमें से कई तो घंटों तक स्क्रीन पर नजरें गढ़ाए रहते हैं। कंधे झुकाए डेस्क पर बैठे रहते हैं या लंबी दूरी की यात्राएं करते हैं। जो स्वास्थ्य समस्याएं कभी बुजुर्गों में आम होती थीं, वे अब किशोरों और ऑफिस जाने वालों को प्रभावित कर रही हैं। चिकित्सकों के अनुसार मांसपेशियों की कमजोरी असली समस्या है। लोग घंटों बैठे रहते हैं, शायद ही हिलते-डुलते हैं और स्ट्रेंथ नहीं बढ़ाते। गलत पॉश्चर में बैठना, तनाव, विटामिन डी एवं बी-12 की कमी, साथ ही व्यायाम की कमी इसे और बदतर कर रही है। दुर्भाग्य से कमर दर्द की समस्या मजदूरों में नहीं, व्हाइट कॉलर कर्मचारियों में है। इसलिए सेहत के प्रति सावधान रहें। 35 और अधिक आयु के लिए कौशल का क्षेत्रः उस कौवे की कहानी तो याद होगी, जो प्यास बुझाने के लिए उस बोतल में कंकड़ डालकर उसका जलस्तर ऊंचा ले आया था? कौवे को लगा कि वो समझदार है। पर इसके पहले की ओर एक और कहानी है, जिसमें कौवा अपनी चोंच में रोटी दबाए जा रहा था। भूखी लोमड़ी ने कौवे के गाने की झूठी प्रशंसा की और जैसे ही उसने मुंह खोला, रोटी गिर गई और लोमड़ी उसे लेकर भाग गई। आप और हम वैसे ही कौवे हैं। फिर से ये मजाक नहीं है। इसके भी सबूत हैं। यदि आप सोचते हो कि आपके पास नर्म इडली, कुरकुरे वड़ा बनाने का कौशल है और आपकी मांग हमेशा रहेगी तो एक नजर दक्षिण भारतीय होटलों पर डालिए, जहां इन्हें बनाने के लिए मशीन का प्रयोग हो रहा है। कईयों ने देखा है कि वहां मशीनें वड़ा बना रही हैं और भाप निकलते बर्तन में पोंगल स्टिर कर रही हैं। (जैसे कड़ाही में सब्जी चलाते हैं।) हालांकि, अभी पूरी तरह ऑटोमेशन नहीं हुआ है, खासकर क्षेत्रीय विरासत, पारिवारिक व्यंजनों के लिए, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे हैं। लेकिन आपको ये सुनिश्चित करना होगा कि अब से आपकी रेसिपी मशीनों के लिए गुप्त ही रहे। बदलती तकनीक के युग में यह संभव है कि मशीनें रातों-रात ही हमारी नौकरी ले लें। बदलावों को देखने के लिए अपने कान-नाक खुले रखें और इसके अनुसार खुद को 'री-स्किल' करें। फंडा यह है कि दूर कहीं बज रही चेतावनी की घंटियों को ध्यान से सुनिए, इससे पहले कि ये करीब आ जाएं और हमारे अस्तित्व के लिए खतरा बन जाएं।

सरकारी डेटा को विदेशी सर्वर में रखना खतरनाक है

(विराग गुप्ता) अमेरिका में सुरक्षा खामियों और बड़े जोखिम की वजह से संसद के स्टाफ द्वारा मोबाइल और कम्प्यूटर से वॉट्सएप

को हटाने की खबर आई है। भारत में भी प्रधानमंत्री ने मंत्रियों की बैठक में कहा था कि पहलगाम के बाद 10 करोड़ से ज्यादा साइबर हमले हुए हैं। ऐसे में सरकारी कम्प्यूटरों से वॉट्सएप के गैर-कानूनी इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। इससे जुड़े 5 बातों पर समझ जरूरी है।1. कानून : भारत में पब्लिक रिकॉर्ड्स कानून के अनुसार सरकारी कामकाज के डेटा को विदेशी सर्वर में नहीं रखा जा सकता। विदेशी सर्वर वाले ऐप के इस्तेमाल पर तीन साल की सजा और जुर्माना हो सकता है। इस बारे में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार ने नवम्बर 2014 में आदेश जारी किया था। भारत में इस कानून का उल्लंघन करके धड़ल्ले से सरकारी काम के लिए वॉट्सएप का इस्तेमाल चिंताजनक है। वॉट्सएप का सरकारी संवाद का डेटा ऑफिस रिकॉर्ड में नहीं होता है, जिसे आरटीआई से भी हासिल नहीं किया जा सकता। ईरान के घटनाक्रमों से साफ है कि वॉट्सएप के माध्यम से भारत में भी बड़े अफसरों और नेताओं की लोकेशन को ट्रैक किया जा सकता है।2. डेटा का कारोबार : इनक्रिप्टेड मैसेज में सुरक्षा के दावों के अनुसार भेजने वाला और पाने वाला ही मैसेज को पढ़ सकता है। अमेरिका के घटनाक्रम से साफ है कि वॉट्सएप में इनक्रिप्शन में लोचे के साथ यूजर्स के डेटा की सुरक्षा में अनेक कमियां हैं। 16 अरब पासवर्ड लीक होने की खबरों से पता चलता है कि बहुत जल्द हैकर्स वॉट्सएप के इनक्रिप्शन कोड का तोड़ निकाल लेंगे। उसके अलावा दुनिया के सबसे बड़े डेटा के निर्बाध स्वामी होने के नाते वॉट्सएप के लिए तो सभी दरवाजे खुले हैं। उसके सर्वर में संदेश, फोटो, वीडियो आदि एक महीने तक सुरक्षित रहते हैं। आशंकाओं के मुताबिक वॉट्सएप इन मैसेज को पढ़कर लोगों के पास टारगेटेड विज्ञापन भेजता है। वॉट्सएप अपने सर्वर में सुरक्षित अरबों यूजर्स के खरबों इनक्रिप्टेड मैसेज, फोटो और वीडियोज के व्यावसायिक इस्तेमाल से सोशल मीडिया-एआई की दुनिया में सुनामी ला सकता है।3. विज्ञापन : भारत में मेटा के तीनों प्लेटफॉर्मों में से वॉट्सएप के 54 करोड़, इंस्टाग्राम के 41 करोड़ और फेसबुक के 38 करोड़ यूजर्स हैं। वैश्विक कम्पनियां हर काम में बड़ा मुनाफा वसूलती हैं। ऐसे में वॉट्सएप और दूसरी कम्पनियों के अवैध कारोबार और मुनाफे के बिजनेस मॉडल को समझना जरूरी है। फेसबुक, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम के यूजर्स का डेटा शेयर करके मेटा कंपनी बड़ा मुनाफा कमा रही है। वॉट्सएप के बिजनेस एकाउंट में भी सूचनाओं के संग्रहण के साथ विज्ञापनों से आमदनी होती है। नई नीति के अनुसार स्टेटस के फोटो, वीडियो और मैसेज में विज्ञापनों से वॉट्सएप कमाई का नया जरिया बना रहा है।4. टैक्स चोरी : मेटा कम्पनी इंटरमीडियरी सुरक्षा की आड़ में कानून के अनुपालन से बचती है। भारत में तीनों प्लेटफॉर्मों के 133 करोड़ यूजर्स के डेटा के व्यावसायिक इस्तेमाल से खरबों रुपए कमाने वाली मेटा कम्पनी कानून की सुरंगों का फायदा उठाकर जीएसटी और आयकर के टैक्स-भुगतान से बचती है। मेटा की तीनों कम्पनियां आपस में जो डेटा शेयरिंग करती हैं, उन अनुबंधों में भी जीएसटी की बड़े पैमाने पर चोरी हो रही है। डेटा चोरी, टैक्स चोरी और नियमों में शिथिलता का फायदा उठाकर वॉट्सएप भारत में संवाद का सबसे बड़ा और लोकप्रिय प्लेटफॉर्म बन गया है। लेकिन इससे सरकारी खजाने और परम्परागत अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान के आकलन की भी जरूरत है।5. स्वदेशी ऐप : भारत में वॉट्सएप के व्यापारिक रजिस्ट्रेशन की जरूरत, डेटा के स्थानीयकरण और स्वदेशी ऐप के बारे में आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बड़े दावे किए थे। उसके बाद से मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की। इंस्टाग्राम से रील की लत और फर्जी खबरों की वॉट्सएप यूनिवर्सिटी के बढ़ते चलन से जाहिर है कि अपसंस्कृति के साथ डिजिटल गुलामी की जकड़न बढ़ती जा रही है। सरकारी काम में वॉट्सएप, फेसबुक और यू-ट्यूब जैसी विदेशी कंपनियों के विज्ञापन और सरकारी विभागों के साथ साझेदारी, केंद्रीय सतर्कता विभाग के अनुदेशों का खुला उल्लंघन है। पिछले दशक में हिलेरी क्लिंटन के चुनावों में भी निजी ई-मेल के इस्तेमाल पर बहुत बवंडर हुआ था। वॉट्सएप के मामले में टैक्स और कानून के शासन को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।भारत में कानून का उल्लंघन करके धड़ल्ले से सरकारी कामकाज के लिए वॉट्सएप का इस्तेमाल होना चिंताजनक है। वॉट्सएप का सरकारी संवाद का डेटा ऑफिस रिकॉर्ड में नहीं होता है, जिसे आरटीआई से भी हासिल नहीं कर सकते। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

हमें अपने खेती करने के तरीकों में अब बदलाव लाना होगा

सघन कृषि के समर्थकों का मत है कि भारत की मौजूदा कृषि प्रणाली समय के साथ उत्पादन

में बढ़ोतरी कर देश की खाद्य सुरक्षा में सहायक बनी रहेगी। हालांकि, कृषि संबंधी डेटा इस विचार का समर्थन नहीं करते हैं। कई साक्ष्य बताते हैं कि देश में मिट्टी के उपजाऊपन, भूजल संसाधन और उर्वरकों की क्षमता बिगड़ती जा रही है। रुझान बताते हैं कि अगले दशक में गेहूं, चावल जैसे खाद्यान्न का उत्पादन गिरेगा। वहीं खाद्यान्न की मांग हर साल 2 से 3 प्रतिशत बढ़ती जा रही है। वैज्ञानिक तौर पर इस बात का कोई सबूत नहीं कि मौजूदा सघन कृषि प्रणाली देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगी। हमें सघन कृषि प्रणाली (ऐसी पद्धति, जिसमें कम भूमि से अधिक उपज प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है) के बजाय ऐसा तंत्र विकसित करना होगा, जो ज्यादा स्थायी और भरोसेमंद हो। यह साबित हो चुका है कि प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग वाली वैकल्पिक कृषि प्रणालियों से कैसे किसानों की आय और उत्पादन को दोगुना किया जा सकता है। ऐसी प्रणालियों को आम तौर पर प्राकृतिक या री-जनरेटिव खेती कहा जाता है। भारत में कुल किसानों का महज 5 प्रतिशत यानी सिर्फ 20 से 30 किसान ही ऐसी खेती करते हैं। लेकिन ये सब लघु और सीमांत किसान हैं, जो बाजार नहीं, जीवनयापन के लिए फसल उगाते हैं। बाजार के लिए उत्पादन करने वाले किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति आकर्षित करने के लिए हमें तथ्य जुटाने होंगे। प्राकृतिक कृषि प्रणाली से किसान व उपभोक्ता की बेहतर सेहत, पर्यावरण स्थायित्व और सामाजिक समावेश जैसे लाभ हैं। आज आवश्यकता है कि हम इसकी व्यावहारिकता और गुणों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा शुरू करें। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर बनाया गया जनमानस भारतीय कृषि में बदलाव के लिए उत्पादक, उपभोक्ता और समाज के बीच सहमति बनाने में सहायक होगा। इसके लिए देश में दोनों प्रकार की कृ?षि प्रणालियों को लेकर अध्ययन कराया जाना चाहिए, जो उत्पादकता, कृषक आय, मृदा स्वास्थ्य, जैव विविधता, पोषकता समेत विभिन्न सामाजिक व स्वास्थ्य सूचकांकों को लेकर मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्य दे पाए। प्राकृतिक खेती के जरिए आज किसानों को बिजली, पानी और उर्वरकों के लिए दी जा रही वित्तीय रियायतों का वजन भी कम होगा। इस बचत से सघन से प्राकृतिक की ओर बढ़ रही कृषि प्रणाली को सहायता देने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। किसी भी कृषि प्रणाली को उत्पादकता, आय, पोषकता और विविधता के संदर्भ में जरूर देखा जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश में समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती (सीएनएफ) की ऐसी ही प्रणाली का मूल्यांकन किया जा रहा है। एक ताजा रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रणाली के जरिए चावल, मक्का, मूंगफली, रागी जैसी प्रमुख उपजों में 7.8 से 25.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इससे किसान की लागत कम हुई और उनकी सकल आय में भी 28.3 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। हालांकि, ये साक्ष्य उत्साहजनक हैं, लेकिन सीमित भूभाग के लिए हैं।

अन्य लाभों के अलावा प्राकृतिक खेती में कार्बन अवशोषण और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को रोकने की क्षमता भी औद्योगिक खेती की तुलना में अधिक है। अगर इस खेती के सभी लाभों को देखें तो यह देश में कार्बन उत्सर्जन रहित 'नेट जीरो एग्रीकल्चर' के साथ भारतीय किसान के लिए बेहतरीन स्थिति हो सकती है। प्राकृतिक खेती को लेकर देश में बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक अध्ययन के जरिए भरोसेमंद तथ्य जुटाए जाएं तो किसानों की चिंताओं को दूर किया जा सकता है। कृषि शिक्षा और शोध की शीर्ष निकाय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को भी इसमें भूमिका निभानी चाहिए। यदि प्राकृतिक और री-जनरेटिव खेती में निवेश किया जाए तो यह मौजूदा सघन कृषि प्रणाली का विकल्प हो सकती है। इस खेती को प्रोत्साहन देने से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी और यह 2070 तक हमारे 'नेट जीरो' के संकल्प को भी पूरा करने में सहायक होगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इसके सहलेखक फेडरेशन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के डॉ. हरपिंदर संधू हैं)

पाकिस्तान के परमाणु बम पर दुनिया का 'दोहरा चरित्र'

(सुधीर चौधरी) इजराइल-ईरान युद्ध के रुकने के बाद पूरी दुनिया में दो ही शब्द गूंज रहे हैं- सीजफायर और दोहरा चरित्र। लेकिन दिलचस्प है कि भारत-पाकिस्तान के सीजफायर को दुनिया अलग नजर से देखती है। भारत के विपक्षी दल इसे सरेंडर कहते हैं

और भारत को हुए नुकसान की डिटेल मांगते हैं, ये साबित करने के लिए भारत जीता नहीं बल्कि युद्ध हार गया। लेकिन इजराइल और ईरान के सीजफायर पर किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया और पश्चिमी देश इसे शांति की जीत बता रहे हैं।इस समय इजराइल की सड़कों पर लोग जीत का जश्न मना रहे हैं। इजराइल कहता है कि उसने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को नष्ट करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया, इसलिए वो जीत गया। ईरान में खामेनेई के समर्थक भी सड़कों पर नाच रहे हैं और कह रहे हैं कि जीत ईरान की हुई क्योंकि इजराइल उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाया, लेकिन ईरान ने इजराइल का बहुत नुकसान किया है। ईरान ने कहा है कि वो अब भी अपने न्यूक्लियर कार्यक्रम पर कायम है।आज शांति सबसे महंगी चीज है। एक अनुमान के मुताबिक इस युद्ध में अमेरिका, इजराइल और ईरान के करीब ढाई लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। अमेरिका में ट्रम्प भी बेहद खुश हैं क्योंकि उन्होंने ईरान न्यूक्लियर ठिकानों पर पहले बम बरसाए और फिर शांति की स्थापना का दावा किया और अब नोबेल शांति पुरस्कार की उम्मीद कर रहे हैं। यानी इस युद्ध में शामिल तीनों देश इसे अपनी जीत बता रहे हैं।लेकिन इस प्रकरण में अमेरिका और पाकिस्तान का दोहरा चरित्र दुनिया ने देख लिया है। पाकिस्तान एक तरफ ओआईसी में मुस्लिम देशों की एकता की बात करता है और ईरान को ये आश्वासन भी देता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वो ईरान के समर्थन में अपने परमाणु बम का इस्तेमाल कर सकता है।दूसरी तरफ असीम मुनीर व्हाइट हाउस में अमेरिका के विशेष मेहमान बनकर ट्रम्प के साथ लंच करते हैं। एक तरफ पाकिस्तान ट्रम्प के नोबेल पुरस्कार की पैरवी करता है और दूसरी तरफ ट्रम्प ईरान पर बी-2 बॉम्बर विमान से बम बरसाते हैं। यानी पाकिस्तान का एक हाथ ईरान के कंधे पर है और दूसरा हाथ ट्रम्प के हाथ में है और ट्रम्प ने पाकिस्तान के हाथ को मरोड़कर रखा हुआ है।आज ईरान और दुनिया भर के इस्लामिक देशों को सोचना होगा कि क्या पाकिस्तान वाकई भरोसे के लायक है? असल में आज पाकिस्तान इतनी कमजोर स्थिति में है कि वो ना तो अमेरिका को ना कह सकता है और ना ही चीन को इनकार कर सकता है।पाकिस्तान अब सिर्फ इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान की जमीन का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान का एक ही उद्देश्य है-भारत का विनाश और जो भी महाशक्ति उसे भारत के खिलाफ मदद का आश्वासन देती है, पाकिस्तान उसके आगे आसानी से घुटने टेकने के लिए तैयार हो जाता है।अमेरिका के दोहरे चरित्र को भी देखिए। उसे ईरान का न्यूक्लियर बम मंजूर नहीं है, लेकिन उसे चोरी और स्मगलिंग से बने पाकिस्तान के परमाणु बम से कोई समस्या नहीं है। अमेरिका ईरान को धर्म के नाम पर चलने वाला कट्टरपंथी देश मानता है।अमेरिका मानता है कि ईरान जैसे देशों में शासकीय अनुशासन नहीं है, वहां कोई प्रोटोकॉल नहीं है, इसलिए ऐसे देश के हाथ अगर परमाणु हथियार आ गए तो उनका दुरुपयोग हो सकता है। लेकिन ट्रम्प से ये सवाल होना चाहिए कि क्या पाकिस्तान भी ईरान जैसा ही देश नहीं है, जहां सत्ता और सेना की ताकत इस्लामिक कट्टरवाद से आती है?ईरान हिजबुल्ला, हमास और हूती जैसे संगठनों को उसी तरह से पाल-पोसकर बड़ा करता है, जैसे पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को पैसा, ट्रेनिंग और हथियार देता है। पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित लगभग 136 आतंकवादी रहते हैं और ये देश करीब 22 आतंकवादी संगठनों का घर है।ईरान और पाकिस्तान को लेकर डर है कि इनके न्यूक्लियर हथियार कभी भी आतंकवादियों के हाथ में पहुंच सकते हैं, जिससे दुनिया खतरे में पड़ जाएगी। ईरान और नॉर्थ कोरिया को भी परमाणु बम बनाने की मदद पाकिस्तान से ही मिली है।अगर 80 और 90 के दशक में अमेरिका ने पाकिस्तान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को वैसे ही रोक दिया होता, जैसे आज ईरान का रोका है तो आज नॉर्थ कोरिया और ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम इतना बड़ा खतरा नहीं बनते। जब तक पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, ईरान जैसे देशों के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने से कुछ नहीं होगा।अमेरिका के दोहरे चरित्र को भी देखिए। उसे ईरान का न्यूक्लियर बम मंजूर नहीं है, लेकिन उसे पाकिस्तान के परमाणु बम से कोई समस्या नहीं है। ट्रम्प से ये सवाल होना चाहिए कि क्या पाकिस्तान भी ईरान जैसा ही देश नहीं है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

गरीबी घट रही है तो रोजगार के आंकड़ों में दिखनी चाहिए

दुनिया में किसी देश की पोजिशन उसकी ताकत से ही तय होती है। बेशक, भारत दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 6.2फीसदी की वृद्धि दर और 4.19 ट्रिलियन डॉलर के मौजूदा आकार के साथ हमारी अर्थव्यवस्था अगले दशक में तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन जब हम वास्तविक तौर पर जीडीपी (187.95 लाख करोड़) की गणना करते हैं तो पाते हैं इसमें बड़ा योगदान हमारी आबादी का है।यह मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और प्रति व्यक्ति आय के मामले में आगे बढ़ती नहीं दिखती। इसके लिए हमें विभिन्न क्षेत्रों में खर्च को बढ़ाना होगा। 6.2फीसदी की वृद्धि दर से ऐसा कर पाना संभव नहीं। यह दो अंकों में होनी चाहिए, जैसे चीन ने अपने जनसांख्यिकी विकास के वर्षों में 10 प्रतिशत की दर से विकास किया था।हमें प्रति व्यक्ति जीडीपी को बढ़ाने के लिए अभी बहुत अधिक प्रयास करने होंगे, क्योंकि यह अभी नाइजीरिया से भी कम है। हमारी अर्थव्यवस्था में आज भी सबसे बड़ा योगदान कृषि क्षेत्र का है। एमएसएमई का योगदान 13 से 17 प्रतिशत के बीच बना हुआ है, जबकि लक्ष्य 25 प्रतिशत का था।समावेशी अर्थव्यवस्था के लिए यह 50 प्रतिशत होना चाहिए। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में उतार-चढ़ाव हैं। स्टॉक मार्केट में ज्यादातर एफडीआई पूंजीगत निवेश के बजाय बढ़ते बाजार का लाभ उठाने के लिए दिख रहा है। निजी क्षेत्र का पूंजीगत निवेश भी नीचे गिर रहा है।वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को आज भी एक उपभोक्ता के तौर पर देखा जाता है। मोबाइल निर्माण में हमारी सफलता भी सिर्फ असेंबलिंग तक सीमित है। कृषि उत्पादन भी अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में एक तिहाई है। मांग अब भी कोविड से पहले के स्तर पर नहीं पहुंच पाई है।इधर, विश्व में पैदा हो रही प्रतिकूल परिस्थितियां भी हमारे समावेशी विकास में बाधा डालेंगी। देश में गरीबी कम होने का दावा तो किया जा रहा है। लेकिन इसमें नीति आयोग ने निर्धारित राशि के स्थान पर बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) को आधार बनाया है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे फैक्टर्स शामिल हैं।

जानें अपने अधिकार- क्या जबरन शादी रद्द हो सकती है:कानून क्या कहता है, झूठ, फरेब और जबरदस्ती से हुई शादी कैसे कराएं रद्द

नयी दिल्ली। भारत में शादी एक पवित्र बंधन माना जाता है। एक ऐसा बंधन, जिसे परिवार, रस्मों और वादों के साथ जोड़ा जाता है। लेकिन क्या करेंगे जब यह बंधन किसी झूठ की बुनियाद पर टिका हो? मान लीजिए शादी के बाद पता चले कि आपका जीवनसाथी पहले से शादीशुदा है या आपको धोखे से 'हां' कहलवाया गया है। ऐसे में तलाक नहीं, बल्कि 'एनलमेंट' एक रास्ता हो सकता है। यह ऐसा कानूनी तरीका है जो शादी को इस तरह खत्म कर देता है जैसे वह कभी हुई ही नहीं थी।शादी के एनलमेंट का मतलब है कि विशिष्ट परिस्थितियों या कानूनी आधारों पर विवाह को अमान्य मानकर रद्द कर दिया गया है। बहुत आसान भाषा में ऐसे समझिए कि आपने बाजार से कुछ खरीदा, लेकिन बाद में पता चला कि यह नकली है। आप उसे लौटा देते हैं और दुकानदार मान लेता है कि सौदा हुआ ही नहीं था। इसी तरह एनलमेंट में भी होता है। इसके बाद व्यक्ति फिर से अविवाहित माना जाता है।हर शादी को रद्द नहीं किया जा सकता है। कानून को ठोस वजह चाहिए होती है। ये वजहें दो तरह की होती हैं:वॉइड (शून्य) शादियां, जो अपने आप अमान्य हैं। और वॉइडेबल शादियां, जिन्हें अदालत रद्द कर सकती है। वॉइड (शून्य) शादियां - ये शादियां कानून की नजर में कभी अस्तित्व में ही नहीं थी। इन्हें रद्द करने के लिए कोर्ट का फैसला जरूरी नहीं है, हालांकि सबूत के लिए लोग ऐसा करते हैं। वॉइडेबल शादियां- ये शादियां तब तक सही मानी जाती हैं, जब तक कि कोई कोर्ट इन्हें रद्द करने का फैसला नहीं कर देता है। हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म के लोगों पर लागू होता है। विशेष विवाह अधिनियम, 1954 अंतर्धार्मिक या कोर्ट मैरिज के लिए लागू होता है। दोनों ही कानून शादी को रद्द करने के लिए विस्तृत आधार प्रदान करते हैं और कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।तलाक का मतलब है कि कानूनी रूप से वैध शादी को खत्म करना। जबकि शादी के एनलमेंट का मतलब है, ये मानना कि शादी कभी कानूनी रूप से अस्तित्व में ही नहीं थी। शादी को रद्द करने की अनुमति तब दी जाती है जब शुरू से ही शादी गलत आधार पर हुई हो, जैसे धोखा, ज़बरदस्ती या पहले से शादीशुदा होना। वहीं तलाक तब दिया जाता है जब शादी सही तरीके से हुई हो, लेकिन बाद में रिश्ते में क्रूरता, बेवफाई या छोड़ देने जैसे कारण सामने आए हों।शादी को रद्द कराने की प्रक्रिया में कुछ कानूनी कदम होते हैं।शादी को रद्द कराने से पहले किसी अनुभवी फैमिली लॉ (परिवार कानून) वकील से सलाह लें। वकील यह जांचेगा कि आपके पास शादी रद्द कराने के लिए सही कानूनी आधार है या नहीं, और केस की तैयारी में मदद करेगा।एक अनुभवी वकील आपके लिए एक याचिका तैयार करता है, जिसमें यह लिखा होता है कि शादी रद्द क्यों करानी है, शादी की तारीख क्या है और आपके पास क्या सबूत हैं।यह याचिका उस फैमिली कोर्ट में जमा की जाती है, जहां शादी हुई थी या जहां पति-पत्नी में से कोई एक रहता है।दूसरे जीवनसाथी को इस याचिका की जानकारी एक नोटिस के जरिए दी जाती है, जिसमें पहली सुनवाई की तारीख भी बताई जाती है।दोनों पक्ष अपने वकीलों के साथ कोर्ट में पेश होते हैं। कोर्ट सबूतों की जांच करता है, दोनों की दलीलें सुनता है और ज़रूरी गवाहों के बयान लेता है।अगर कोर्ट को लगता है कि आपके पास पुख्ता सबूत हैं, तो वह शादी को शून्य या अमान्य घोषित कर देता है। इसका मतलब है कि शादी को ऐसा माना जाएगा कि वो कभी कानूनी रूप से हुई ही नहीं थी।वॉइडेबल शादियों के मामले में अर्जी गलती पता चलने के 1 साल के भीतर देनी होती है।असलियात का पता चलने के बाद भी पति-पत्नी साथ रहते हैं या संबंध बनाते हैं तो शादी रद्द करना मुश्किल हो सकता है। किसी सबूत के बिना सबूत के दावा कमजोर हो सकता है। हर मामला अलग होता है, इसलिए सही सलाह के लिए कानूनी विशेषज्ञ से संपर्क करें।विवाह रद्द करना सिर्फ कागजी बात नहीं है, यह अपनी जिंदगी को वापस पाने का रास्ता है। शादी पवित्र है, लेकिन झूठ पर टिकी शादी में फंसना गलत है। अपने हक जानें, वकील से मिलें और कदम उठाएं। आप कभी भी नई शुरुआत कर सकते हैं।

बेहिसाब कमाई, पर कैसे और कहां से, नहीं पता, समझिए बिक्रम मजीठिया का 540 करोड़ की ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग गेम

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बड़े नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने ये कार्रवाई की। उन्हें अमृतसर में उनके घर से पकड़ा गया। पंजाब स्टेट वीबी पुलिस स्टेशन मोहाली में सुबह 4.40 बजे ही मामला दर्ज हुआ। केस दर्द होने के कुछ ही घंटों में विजिलेंस टीम उनके घर पहुंची। तलाशी अभियान चला और बाद में उन्हें पकड़ लिया गया। मामला उनकी आय से ज़्यादा संपत्ति का था।जब विजिलेंस टीम बिक्रम मजीठिया के अमृतसर वाले घर पर पहुंची, तो वहां बहस हुई। टीम का नेतृत्व सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस लखबीर सिंह कर रहे थे। मजीठिया और टीम के बीच हुई बहस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए गए हैं। मजीठिया ने कहा कि ये सब राजनीतिक बदले की वजह से हो रहा है। उन्होंने मीडिया वालों से बार-बार कहा कि वे इस छापेमारी को रिकॉर्ड करें। मजीठिया, शीअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साले हैं।बिक्रम मजीठिया की पत्नी गनीव कौर ने मीडिया से बात की। वह मजीठा विधानसभा क्षेत्र से शीअद की विधायक हैं। उन्होंने कहा कि विजिलेंस टीम जबरदस्ती उनके घर में घुसी और उन्होंने बुरा बर्ताव किया।विजिलेंस के अनुसार, मजीठिया के खिलाफ एफआईआर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की जांच के आधार पर दर्ज की गई है। एसआईटी 2021 में शीअद नेता के खिलाफ दर्ज ड्रग मामले की जांच कर रही थी। विजिलेंस ने भी इस मामले की जांच की। एसआईटी की जांच और विजिलेंस ब्यूरो से पता चला है कि मजीठिया ने ड्रग के पैसे को इधर-उधर करने में मदद की। शुरुआती जांच में पता चला है कि 540 करोड़ रुपये से ज़्यादा ड्रग के पैसे को कई तरीकों से इधर-उधर किया गया।विजिलेंस के प्रवक्ता ने बताया कि एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर विजिलेंस ने मामला दर्ज किया है। अब तक 540 करोड़ रुपये के ड्रग के पैसे का पता चला है। ये पैसा गैरकानूनी तरीके से कमाया गया था। मजीठिया ने एमएलए और पंजाब सरकार में मंत्री रहते हुए अपने पद का इस्तेमाल करके ये सब किया।जांच में सामने आया कि मजीठिया के नियंत्रण वाली कंपनियों के बैंक खातों में 161 करोड़ रुपये नकद जमा किए गए। इसके अलावा, 141 करोड़ रुपये संदिग्ध विदेशी कंपनियों के जरिए भेजे गए। 236 करोड़ रुपये ऐसे जमा किए गए जिनका कोई हिसाब नहीं है। ये पैसे कंपनी के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी नहीं दिखते। एसआईटी को कुछ और सबूत भी मिले हैं। पता चला है कि मजीठिया ने कुछ प्रॉपर्टी और संपत्ति खरीदी है। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके पास ये पैसे कहां से आए।मजीठिया ने 2007 से 2012 तक जो संपत्ति बनाई और जो खर्चे किए, उनके लिए उनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है। विजिलेंस के प्रवक्ता के अनुसार एसआईटी ने 22 लोगों पर और विजिलेंस ब्यूरो ने तीन जगहों पर छापेमारी की। इसमें 30 से ज़्यादा मोबाइल फोन, 5 लैपटॉप, 3 आईपैड, 2 डेस्कटॉप, कई डायरियां, कई संपत्ति के कागजात और सराया इंडस्ट्रीज के कई दस्तावेज़ मिले हैं।मोहाली में उनके वकील अर्शदीप सिंह कालेर और एच एस धनोआ को शाम को ब्यूरो के मुख्यालय में अकाली नेता से एक घंटे के लिए मिलने दिया गया। बड़ी संख्या में शिअद समर्थक ब्यूरो के कार्यालय के बाहर जमा हो गए और आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इलाके को कई बैरिकेड, सड़क बंद और प्रतिबंधित सार्वजनिक आवाजाही के साथ एक किले में बदल दिया गया था।मजीठिया के समर्थकों का कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। वहीं, आप सरकार का कहना है कि वो भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस मामले में सच्चाई क्या है, ये तो अदालत ही तय करेगी। लेकिन इस घटना ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है।

जेल में बंद गोंडा के भू-माफिया बृजेश अवस्थी की हार्ट अटैक से मौत, दर्ज थे 43 मुकदमे

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिला कारागार में बंद गोंडा के भू-माफिया बृजेश अवस्थी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। अचानक सीने में तेज दर्द होने के बाद जेल प्रशासन ने जेल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में बृजेश अवस्थी की इलाज के दौरान मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बता दें, जिला कारागार में बंद भू-माफिया बृजेश अवस्थी की मौत हो गई। भू-माफिया बृजेश को गोंडा से 15 दिसंबर 2024 को जिला कारागार बस्ती में स्थानांतरण कर लाया गया था। जेल अधिकारियों ने बताया कि बृजेश को सुबह अचानक सीने में तेज दर्द उठा और पसीने आने लगे। आधे घंटे तक जेल अस्पताल में इलाज के बाद डॉक्टर की सलाह पर सुबह करीब सात बजे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां 10.30 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, बृजेश अवस्थी गोंडा का रहने वाला था।भू-माफिया बृजेश अवस्थी पर जमीन कब्जाने, धोखाधड़ी और धमकी देने समेत 43 से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे। पेशे से बृजेश अवस्थी अपने मुवक्किलों की ज़मीन का भी फर्जीवाड़ा कर चुका है। कई लोगों को छेड़खानी, दुष्कर्म के आरोप में जेल भिजवाकर वह उनकी ज़मीने अपने या अपने रिश्तेदारों के नाम करा चुका है। फर्जी बैनामा कराने वाले एक बड़े रैकेट का बृजेश अवस्थी ही सरगना था। उसके साथी अनिल सिंह और राकेश त्रिपाठी की भी गिरफ्तारी हुई थी, तीनों दिसंबर 2024 से ही मंडल कारागार गोंडा में बंद थे और एक साथ ही थे। शासन ने इन तीनों को अलग-अलग जिलों के कारागार में भेजने का निर्णय लिया। जिसमें बृजेश अवस्थी को बस्ती, अनिल सिंह को बहराइच तथा राकेश त्रिपाठी को बलरामपुर जिला कारागार में स्थानांतरित किया गया था।बस्ती जेल अधीक्षक एसपी मिश्रा ने बताया कि गोंडा के कैदी बृजेश अवस्थी को सुबह 10 से 10.30 बजे के बीच अचानक सीने में दर्द उठा उसे जेल अस्पताल में ले जाया गया जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उस की मौत हो गई, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

'बीजेपी में ही मेरा घर-परिवार है, यहीं से मेरी अर्थी निकलेगी', जानिए वसुंधरा राजे ने किसको दिया संदेश

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जब भी बोलती है, तो उनके कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जमकर तालियां बजाकर स्वागत

एक-एक शब्द में बड़े मायने होते है। इसके कारण राजे के बयानों की सियासी गलियारों में काफी चर्चा रहती है। हाल ही में इमरजेंसी को लेकर वसुंधरा राजे का एक बयान काफी सुर्खियों में हैं, जहां उन्होंने अपने विरोधियों को इशारों ही इशारों में करारा जवाब दे दिया। उन्होंने गरजते हुए हुए कहा कि कि 'बीजेपी में ही मेरा घर-परिवार है, जब भी जाएगी, इस परिवार से ही मेरी अर्थी जाएगी।' दरअसल, वसुंधरा राजे यूपी के आगरा में आपातकाल के 50वें वर्ष पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी।देश में इमरजेंसी के 50वें वर्ष के मौके पर बीजेपी ने कांग्रेस को जमकर घेरा। इस बीच वसुंधरा राजे ने भी यूपी के आगरा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इमरजेंसी को लेकर कांग्रेस को जमकर निशाना बनाया। उन्होंने कहा - 'बीजेपी मेरा घर-परिवार है, इसलिए जब भी मेरी अर्थी उठेगी तो वह बीजेपी से उठेगी।' वसुंधरा राजे के इस बयान के बाद किया। इधर, वसुंधरा राजे का यह बयान सियासी गलियारों में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। इसको लेकर चर्चा है कि इस बयान के जरिए राजे ने अपने विरोधियों को करारा जवाब दिया है, जो बीजेपी में उनकी बगावत की चर्चाएं करते हैं।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपनी मां राजमाता विजयाराजे सिंधिया के 'आपातकाल' में किए गए संघर्षों के संस्मरणों को सुनाया। उन्होंने कहा कि मेरी मां को इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी में संदेश भिजवाया कि हमारे साथ आ जाओ, वरना जेल जाओ, लेकिन मां ने गांधी को कहलवा दिया था कि वह उनसे ना तो डरती है, ना उनकी जेल से। इसके बाद मेरी मां को तिहाड़ जेल में भेज दिया गया, जहां उन्हें झुकाने के लिए खूब जुल्म किए गए। इस दौरान राजे ने गरजते हुए बोला कि 'मैं उन्हीं राजमाता विजया राजे सिंधिया की बेटी हूं, इसलिए मैं उनकी बताई राह पर ही चलूंगी।'

तेजस्वी यादव जिसे मानते रहे सबसे बड़ा 'दुश्मन', बिहार चुनाव में वही बना सबसे बड़ा 'दोस्त'

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन खेमे से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा मानने पर असमंजस

खत्म होता दिख रहा है। कांग्रेस में राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले युवा नेता कन्हैया कुमार ने साफ कर दिया है कि तेजस्वी यादव ही महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे।यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि बिहार की राजनीति में

कहा जाता है कि तेजस्वी यादव नहीं चाहते हैं कि कन्हैया कुमार का रुतबा बढ़े। यहां तक की कन्हैया कुमार जब 2019 के लोकसभा चुनाव में वामदल के टिकट पर बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़ने आए तब लाख कोशिशों के बाद भी तेजस्वी ने उनका सपोर्ट नहीं किया। उसके बाद माना जाता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी तेजस्वी के दबाव की वजह से ही कन्हैया कुमार को बिहार से टिकट नहीं मिला। अब कन्हैया कुमार ही महागठबंधन खेमे में कांग्रेस की तरफ से सबसे पहले खुलकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा माना है।कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'महागठबंधन' की तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के प्रमुख चेहरा होने को लेकर कोई असमंजस और विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल के रूप में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का नेता ही स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री होगा। न्यूज एजेंसी पीटीटी को दिए इंटरव्यू में कन्हैया ने कहा कि बिहार चुनाव में मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक 'साजिश' के तहत इनसे ध्यान भटकाने के लिए बार-बार चेहरे की बात की जा रही है।बिहार चुनाव में 'इंडिया' इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के घटक दलों के गठजोड़ को 'महागठबंधन' के नाम से जाना जाता है। बिहार में महागठबंधन की अगुवाई आरजेडी कर रही है। जबकि इस गठबंधन में वामदल, कांग्रेस, और वीआईपी शामिल है।पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े घटक आरजेडी ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 52 प्रतिशत की सफलता दर से 75 सीटें हासिल की थी। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसे 27 प्रतिशत सीटों पर ही सफलता मिली थी और उसने सिर्फ 19 सीटें जीती थीं। भाकपा (माले) लिबरेशन ने 19 सीट पर चुनाव लड़ा और 12 पर जीत हासिल की थी यानी उसे 63 प्रतिशत सीटों पर कामयाबी मिली थी।बिहार में वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के बारे में पूछे जाने पर कन्हैया कुमार ने कहा, 'मेरे खयाल से पिछली बार भी बदलाव का माहौल था। थोड़े अंतर से महागठबंधन की सरकार नहीं बन पाई। पिछले पांच साल से बिहार के जो हालात रहे हैं, उससे लगता है कि इस बार बदलाव की बयार पहले से ज्यादा मजबूत है।कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी ने महागठबंधन के घटक दलों का जिक्र करते हुए कहा, 'हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे। जिसकी बड़ी जिम्मेदारी है वह निभाएगा और जिसकी छोटी जिम्मेदारी है, उसका भी निर्वहन जरूरी है। एक चुटकी नमक कम तो खाना बेस्वाद और एक चुटकी ज्यादा हो तो भी खाना बेस्वाद, इसलिए सब अपनी अपनी भूमिका निभाएंगे।' बिहार में कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शुमार इस नेता ने 'महागठबंधन' में 'सीनियर' और 'जूनियर' घटक के विचार को खारिज कर दिया। कहा कि सभी दलों की अपनी भूमिका है और वे एकजुट होकर सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'यदि आप गाड़ी को देखें तो उसमें क्लच उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना ब्रेक और रियर व्यू मिरर महत्वपूर्ण होते हैं।'महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे और तेजस्वी यादव से जुड़े सवाल पर कुमार ने कहा, 'मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह जनता तय करती है। जिसके पास संख्याबल है वह मुख्यमंत्री बनेगा। स्वाभाविक रूप से राजद ज्यादा सीटों पर लड़ेगी और ज्यादा सीटों पर जीतेगी। संख्याबल उसके पास होगा और मुख्यमंत्री पद पर उनकी दावेदारी होगी, इसको लेकर कोई संदेह नहीं है।'यह पूछा गया कि क्या प्रमुख चेहरा तेजस्वी का है और इसको लेकर महागठबंधन कोई असमंजस नहीं है? इस पर कन्हैया ने कहा, 'इसमें कोई संदेह, संकट या विवाद नहीं है। इसमें बिल्कुल स्पष्टता है कि महागठबंधन में प्रक्रिया के तहत चीजें हो रही हैं। सारी पार्टियों को मिलाकर मीडिया समूह बना है, सारी पार्टियों को मिलाकर घोषणापत्र समिति बनी है, सारी पार्टियां मिलकर सीटें तय करेंगी।'कन्हैया ने दावा किया कि भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर, इस पद पर अपना चेहरा लाने की कोशिश में है। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि वे नीतीश जी के अस्वस्थ होने पर यह कोशिश कर रहे हैं। वह पहले भी प्रयास कर चुके हैं। भाजपा पिछले कई दशकों से बिहार में वही करना चाहती है जो दूसरी जगह करने में सफल रही है। मतलब पहले क्षेत्रीय दल का साथ पकड़ो और फिर धीरे-धीरे उसे निगल जाओ। बिहार में ऐसा न कर पाने की वजह से भाजपा नीतीश का साथ लेने को मजबूर हुई।कन्हैया ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा था कि नीतीश जी के लिए सारे दरवाजे बंद हैं। तो क्या नीतीश जी ब्लूटूथ से (राजग में) डाउनलोड हो गए?' उन्होंने कहा कि बिहार में पलायन, बेरोजगारी, पेपर लीक, परीक्षाओं का समय पर नहीं होना, अपराध में वृद्धि और नौकरशाही की मनमानी आदि प्रमुख मुद्दे होंगे। उनका कहना था कि भाजपा बिहार में 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे को ज्यादा नहीं उछाल रही है क्योंकि उसे पता है कि बिहार के लोग सेना को लेकर राजनीति पसंद नहीं करेंगे।

हरियाणा के मंत्री गुस्साकर बोले- सल्फास दे दो, अफसर ने कहा अभी देता हूं सर, फिर जानें क्या हुआ

पानीपत। हरियाणा का एक दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां जिला सचिवालय में सोमवार को एक बैठक हुई। यह बैठक कष्ट निवारण समिति की थी। बैठक के दौरान जमकर हंगामा हुआ। हालांकि एक घटना ऐसी हुई, जिससे पूरा हॉल हंसी के ठहाकों से गूंज गया। हालांकि इस घटना में शामिल एक अफसर के लिए यह पल शर्मसार करने वाला था। हुआ कुछ यूं कि गुस्से में मंत्री ने कहा कि इन्हें सल्फास दे दीजिए। अफसर उनकी बात ठीक से नहीं सुन पाया और बोला, ओके सर देता हूं।पानीपत में हुई इस बैठक में चेयरमैन कृष्ण कुमार बेदी पहुंचे थे। पहली बार बैठक में हिस्सा लेने कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा भी आए थे। लोग अपनी शिकायतें लेकर यहां पहुंचे थे। सभी पुलिस और प्रशासन अफसरों को भी बुलाया गया था ताकि शिकायतों पर तत्काल अफसरों से जवाब-तलब हो सके।इस दौरन अंसल सुशांत सिटी के परिवाद पर सुनवाई शुरू हुई। डेवलपर्स की मनमानी को लेकर लोग परेशान थे। उन्होंने मंत्री को अपना दुखड़ा सुनाया। कृष्ण कुमार बेदी ने कंपनी के अधिकारी राजेश राणा को खड़ा किया और उन्हें फटकारा। मंत्री ने उनसे कहा कि आपको शर्म आनी चाहिए। आपकी कंपनी करोड़ों रुपये लेकर बैठ गई और इन लोगों का जीवन नर्क बन गया।मंत्री ने अफसर को डांटते हुए कहा कि इन लोगों को सल्फास दे दो। इस पर कंपनी के अधिकारी राजेश तुरंत बोले जी सर... दे रहा हूं आपको.. यह सुनते ही पूरा सदन जोर-जोर से ठहाके लगाकर हंसने लगा। जब सब हंसने लगे तो अफसर को महसूस हुआ कि शायद उसने कुछ गलत बोल दिया। वह बार माफी मांगने लगा। उसने कहा सर सॉरी, मैं आपकी बात ठीक से सुन नहीं पाया। उसने कहा कि सर गलती से शब्द निकल गया, समझ नहीं पाया कि आपने क्या बोला था।इधर लोगों की शिकायतें सुनने के बाद मंत्री ने अंसल सुशांत सिटी के दो अफसरों, पार्श्वनाथ सिटी के एक अफसर और बैंक लिमिट से जुड़े एक अन्य परिवाद में एसबीआई के दो अधिकारियों को हिरासत में लेने को कह दिया। इसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने सभी पांच अधिकारियों को पकड़कर कोने में खड़ा किया। अफसरों को होश उड़ गए। हालांकि बैठक के बाद संबंधित अधिकारियों को सख्त चेतावनी देकर छोड़ा गया।

काजोल ने बताया खुशहाल शादी का फॉर्मूला:बोलीं- हम अगर एक जैसे होते, तो कब के अलग हो जाते

नयी दिल्ली। बॉलीवुड के लोकप्रिय कपल्स में से एक अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों की शादी इतनी लंबी इसलिए चली क्योंकि दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। काजोल ने मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'अगर हम एक जैसे होते, तो इतने साल नहीं लगते, बहुत पहले अलग हो जाते।' काजोल ने कहा कि उनकी और अजय की सोच और एनर्जी में फर्क है। इसी से बैलेंस बना रहता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'खुशहाल शादी का राज है कि थोड़ा बहरे हो जाना और कुछ बातें भूल जाना।'बता दें कि अजय और काजोल की पहली मुलाकात 1995 में हुई थी। 1997 में फिल्म इश्क के सेट पर दोनों करीब आए। फिर 1999 में शादी कर ली। इंटरव्यू में काजोल ने कहा, 'हम डेट नाइट नहीं करते। हमारे पास फैमिली टाइम ही होता है। या तो वो काम पर होते हैं या मैं ट्रैवल कर रही होती हूं। इसलिए जब भी समय मिलता है, घर पर ही सबके साथ वक्त बिताते हैं।' जब काजोल से पूछा गया कि क्या दोनों की बॉन्डिंग दोस्त जैसी है, तो उन्होंने कहा, 'इतने साल हो गए शादी को, अब ब्लश तो नहीं कर सकती उनके बारे में बात करते हुए।' बता दें कि काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आएंगी। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

'वॉर 2' के तीन पोस्टर जारी:ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर का दिखा एक्शन अवतार,14 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

नयी दिल्ली। ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म वॉर 2 के तीन पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें तीनों ही स्टार्स ऋतिक रोशन, कियारा

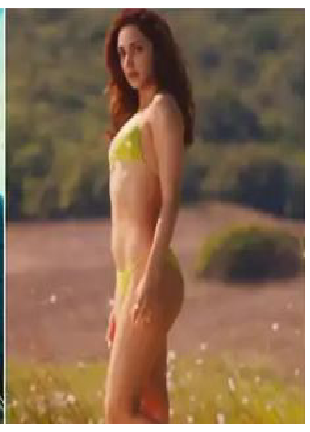

आडवाणी और जूनियर एनटीआर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इन पोस्टरों को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।मेकर्स की ओर से जारी किए गए ऋतिक रोशन के पोस्टर में उनका चेहरा क्लोज-अप में दिखाया गया है, जहां वह हाथ में चाकू लिए नजर आ रहे हैं।वॉर 2 से बॉलीवुड में कदम रख रहे जूनियर एनटीआर का भी एक्शन मोड दिखा है। इसके अलावा टीजर रिलीज के दौरान जहां कियारा आडवाणी की बिकिनी लुक वाली तस्वीर ने काफी चर्चा बटोरी थी। अब इस नए पोस्टर में वह पूरी तरह एक्शन मोड में दिख रही हैं। उनके हाथ में बंदूक है और उनका लुक दमदार और फोकस्ड नजर आ रहा है।बता दें, 'वॉर 2' यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। जिसमें 'एक था टाइगर', 'वॉर' और 'पठान' जैसी फिल्में भी शामिल हैं। 'वॉर' को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था, जबकि इसके सीक्वल यानी 'वॉर 2' को अयान मुखर्जी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में ऋतिक रोशन मेजर कबीर धालीवाल की भूमिका में वापसी करेंगे, जबकि जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में इस फिल्म से डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में किराया आडवाणी भी नजर आएंगी।इस मौके पर वाईआरएफ के वाइस प्रेसिडेंट और इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन नेल्सन डीसूजा ने कहा, 'हम भारतीय सिनेमा को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। वॉर 2 हमारे स्पाई यूनिवर्स की एक बड़ी फिल्म है और हम आईमैक्स के साथ मिलकर इसे सबसे बेहतरीन अनुभव के साथ दर्शकों के सामने लाने के लिए काफी उत्साहित हैं।'

फातिमा सना शेख ने कहा कि वह सिंगल हैं:विजय वर्मा के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच एक्ट्रेस बोलीं - अच्छे लड़के हैं ही नहीं

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस फातिमा सना शेख हाल ही में फिल्म 'आप जैसा कोई' के

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नजर आईं। विजय वर्मा के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच जब फातिमा से उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह सिंगल हैं।रिश्तों पर बात करते हुए फातिमा ने कहा, 'ऐसा रिश्ता जिसमें दोनों एक-दूसरे की इज्जत करें, एक-दूसरे की बात और राय सुनें। दोनों को बराबर समझौते करने होंगे। जब आप किसी पार्टनरशिप में होते हैं, तो आप रिश्ते पर काम करते हैं लेकिन खुद को खोते नहीं। मुझे लगता है यही एक सफल रिश्ता होता है।'जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ऐसा कोई मिला है, तो फातिमा ने कहा- 'अच्छे लड़के हैं ही नहीं यारष्ठ कोई भी नहीं है (मेरी लाइफ में)। फिल्मों में अच्छे होते हैं।' फातिमा की फिल्म 'आप जैसा कोई' की बात करें तो ये 'श्रीरेणु और मधु' दो अलग-अलग सोच वाले लोगों की कहानी है। फिल्म में श्रीरेणु त्रिपाठी का रोल आर माधवन और मधु बोस का किरदार फातिमा सना शेख निभा रही हैं। फिल्म के निर्देशक विवेक सोनी हैं और इसे राधिका आनंद और जहान हंडा ने लिखा है। सचिन कवठेम फिल्म में राकेश मलवीय का रोल निभा रहे हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो फातिमा, 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आएंगी, जो 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल जैसे कलाकार हैं। उसके बाद 'आप जैसा कोई' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। वहीं, उनकी एक और फिल्म गुस्ताख इश्क, फिलहाल प्रोडक्शन में है।

सलमान खान ने खरीदी नई लग्जरी एसयूवी बुलेटप्रूफ कार,कीमत करीब 3.40 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने अपनी कार कलेक्शन में एक नई बुलेटप्रूफ लग्जरी शामिल की है। इसमें

बुलेटप्रूफ फीचर जैसे आर्मर्ड बॉडी पैनल और रिइनफोर्स्ड ग्लास हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, बुलेटप्रूफ मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 कार की कीमत लगभग 3.40 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह सलमान की पहली बुलेटप्रूफ कार नहीं है। उनके पास पहले से भी एक बुलेटप्रूफ कार है। न्यूज 18 के मुताबिक, यह कार सिर्फ प्रीमियम एसयूवी नहीं है। इसमें 4.0-लीटर ट्विन-टर्बो वी8 इंजन और 48वी माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम है। इसमें 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 4मैटिक ऑल-व्हील ड्राइव है। यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार सिर्फ 4.9 सेकेंड में पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड करीब 250 किलोमीटर प्रति घंटा है।बता दें कि पिछले महीने 20 मई को सलमान खान के घर में एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया था। पुलिस ने बताया था कि 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। साथ ही पिछले महीने ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। दोनों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था।सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। संदीप ने बताया था कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया। संदीप ने कहा था कि वह शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया और इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर प्रवेश कर गया। मौके पर मौजूद पुलिस कॉन्स्टेबल सुर्वे, महेत्रे, पवार और सुरक्षा गार्ड कमलेश मिश्रा ने तुरंत उसे हिरासत में लिया और बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया।2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 पीएसओ भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रेजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं।14 अप्रैल 2024 को सलमान के घर फायरिंग हुई थी। उसके ठीक एक साल बाद 14 अप्रैल 2025 को सलमान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। मैसेज में लिखा था- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपी को अरेस्ट कर लिया था। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है।

हानिया आमिर के सपोर्ट में उतरीं राखी सावंत, 'सरदार जी 3' की क्लिप शेयर कर पाक एक्ट्रेस को बताया अपनी फेवरेट, पोस्ट पर भड़के यूजर्स

नयी दिल्ली। एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ और पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की फिल्म 'सरदार जी 3' इन दिनों विवादों में है।

इस बीच एक्ट्रेस राखी सावंत ने फिल्म और हानिया आमिर को सपोर्ट किया है। राखी सावंत ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक वीडियो क्लिप शेयर कर लिखा - 'सबको यह फिल्म देखनी चाहिए।

'सरदार जी 3' से हानिया आमिर डेब्यू कर रही हैं। सबको उसकी तारीफ करनी चाहिए। वह मेरी फेवरेट है। अल्लाह तुम्हें बरकत दे।'राखी ने इससे पहले भी एक पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने हानिया का वीडियो शेयर कर लिखा था- 'बधाई हो हानिया आमिर। तुम बॉलीवुड में आ गईं। दिलजीत दोसांझ को भी 'सरदार जी 3' के लिए बधाई।

' राखी की इन पोस्ट्स के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स नाराज हो गए और उन्हें अन फॉलो करने की बात कही।एक यूजर ने लिखा - 'हमारे देश में हानिया से ज्यादा खूबसूरत लड़कियां हैं। हमने अपने जवानों को पहलगाम में खोया है, ऐसे में पाकिस्तानी कलाकार का समर्थन क्यों?'दूसरे यूजर ने लिखा – 'बायकॉट राखी।' एक और ने कहा - 'ऑपरेशन सिंदूर के समय हानिया क्या बोल रही थी, कुछ शर्म करो।' यूजर्स ने राखी पर पैसे लेकर समर्थन करने का आरोप भी लगाया और पूछा- क्या आप भी फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज से बैन होना चाहती हैं?फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के होने के चलते एक्टर दिलजीत दोसांझ विवादों में घिरे हैं। इस मामले और दिलजीत के साथ काम न करने को लेकर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज ने बुधवार को सनी देओल, भूषण कुमार और इम्तियाज अली को अलग-अलग पत्र लिखे हैं।'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को कास्ट को लेकर फेडरेशन का कहना है कि हानिया ने सोशल मीडिया पर कई बार भारत विरोधी पोस्ट शेयर किए हैं।

फेडरेशन ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि ऐसे समय में जब पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, एक भारतीय कलाकार का पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ काम करना राष्ट्रीय भावना के खिलाफ है। सनी देओल को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्म, जो देशभक्ति और बलिदान का प्रतीक है, उसमें दिलजीत की मौजूदगी विरोधाभासी संदेश देती है। फेडरेशन ने उनसे अनुरोध किया है कि इस फिल्म में दिलजीत के साथ काम करने को लेकर पुनर्विचार करें।

टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार को लिखे पत्र में भी फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज ने फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत की कास्टिंग पर एतराज जताया है।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज का कहना है कि यह फैसला फेडरेशन द्वारा जारी बायकॉट निर्देश का खुला उल्लंघन है। यह निर्देश तब जारी किया गया था जब दिलजीत ने फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ काम किया था। फेडरेशन ने भूषण कुमार से आग्रह किया है कि वह दिलजीत दोसांझ की कास्टिंग पर पुनर्विचार करें।

इसी तरह इम्तियाज अली को भेजे गए पत्र में फेडरेशन ने उनकी आगामी फिल्म में दिलजीत के साथ काम करने को लेकर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज ने उनसे अपील की है कि वे दिलजीत की कास्टिंग पर पुनर्विचार करें और ऐसे किसी भी कलाकार के साथ काम न करें, जिसे फेडरेशन ने आधिकारिक रूप से बायकॉट किया है।

रोटी को तरसे, घाटों पर गाने भी गए,पुलिस ने आतंकी समझकर पीटा, मनोज तिवारी ने संघर्ष से कमाया नाम और कहलाए भोजपुरी के अमिताभ बच्चन

नयी दिल्ली। अभाव के पलों से मुकाम तक पुल कैसे बनाया जाता है, मनोज तिवारी इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। कभी भूख मिटाने के लिए उनको भरपेट रोटी भी नसीब नहीं थी। स्कूल जाने

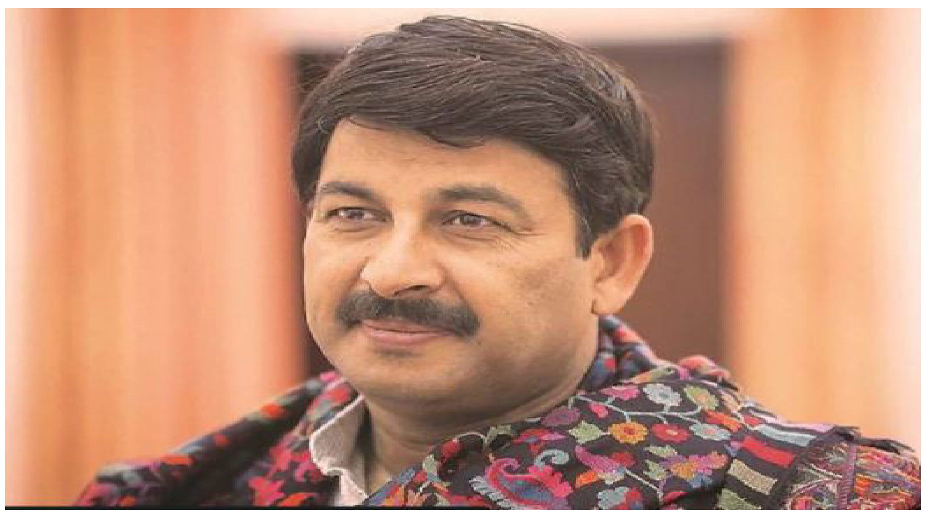

के लिए कई-कई किलोमीटर पैदल चले। नाम बनाने की कोशिश में कभी दिल्ली-मुंबई के प्लेटफॉर्म पर रातें गुजारीं तो कभी जेब का वजन देख होटल से भूखे वापस लौटे। लेकिन मनोज ने दुष्यंत कुमार की लाइन 'कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो' को सच कर दिखाया। इन्होंने अपनी मेहनत से अपने दिन ऐसे फेरे कि आज उनके पास गाड़ी, बंगला, नाम, शोहरत सब है।मैंने बहुत छोटी उम्र में पिताजी को खो दिया था। मेरे पिताजी शास्त्रीय संगीत के गायक थे, तो मैं उन्हें सुनाता था। पिताजी के रहते तो मुझे पता भी नहीं था कि मैं संगीत में जाऊंगा। मुझे इतना याद है कि पिताजी मुझे अपनी गोद में लेकर सोते थे। पीठ पर थपकी देते समय कुछ गाते थे। शायद वहीं से मेरे अंदर संगीत की रुचि बढ़ी। अब जब मैं अपने पिताजी को याद करता हूं तो वो मुझे संत समान लगते हैं। उनका स्वभाव संत जैसा था। उन्हें जिससे प्रेम मिलता था, उसी के हो लेते थे। उनका व्यवहार बहुत अच्छा था। लोग आज भी बहुत तारीफ करते हैं। कई लोग आज भी मुझे उनके नाम से ही जानते हैं।हम छह भाई-बहन थे। हमारी परवरिश में मां ने अथक परिश्रम किया है। मुझे मेरी मां में भगवान दिखता है। मेरी मां गोबर के उपले बनाती थी। वो गाय-भैंस से दूध खुद निकालती थी। बस पकड़ने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलती थी। उस वक्त हमारे लिए ट्रैक्टर सबसे बड़ा साधन होता था। ट्रैक्टर ट्रॉली में 20-25 लोग के साथ बैठकर 40 किलोमीटर तक की यात्रा करते थे। मैं स्कूल जाने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलता था और उस वक्त मैं भागता था। जब मैं दौड़ता तो लोग कहते थे कि वो देख मनोज दौड़ा रहा है। इतनी गरीबी थी कि साइकिल तक खरीद नहीं पाया कभी। हां, लेकिन जब मेरे दिन बहुरे, तब सीधे चार चक्का खरीदा।मैं भले बिहार से हूं, लेकिन मेरा बनारस से भी उतना ही लगाव रहा है। जन्म बनारस में हुआ, पढ़ाई भी वहीं हुई। पढ़ाई के दौरान ही मैंने बनारस के घाटों पर गाना शुरू किया था। वहां गाते-गाते फिर एक दिन मुझे गंगा आरती में गाने का मौका मिला। फिर मैंने मंदिरों में जगराता गाना शुरू किया। भक्ति गानों की वजह से मुझे लोग जानने लगे थे। एक बार शिवरात्रि के मौके पर मैं शीतला घाट और अर्दली बाजार के महावीर मंदिर में परफॉर्म कर रहा था, तभी मेरे सिर से खून बहने लगा। मैं पहले से ही घायल था, लेकिन परफॉर्मेंस के बीच मुझे न तो दर्द का पता चला और न खून का। इस एक घटना और मेरे भक्ति गानों की वजह से लोग मुझे जानने लगे थे। इसके बाद मुझे फिल्मों में गाने का ऑफर मिलने लगा। फिर मेरा एलबम 'बगलवाली' आया, जिसने मुझे फेमस कर दिया। उस वक्त सोशल मीडिया का जमाना नहीं था। लोग मुझे मेरी आवाज से पहचानते थे।1997 का साल था, जब मैं अस्सी घाट पर भयानक पुलिस लाठीचार्ज का शिकार हुआ। मैं उस वक्त काशी विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन कर रहा था। एक दिन हम 30-35 दोस्त अस्सी घाट पर पार्टी कर रहे थे। वहीं पास में पीएससी की टुकड़ी रहती थी। मैं गाने की फील्ड में नया-नया उभरा था। एक साल पहले ही मेरा गाना आया था। दोस्तों ने कहा कि हम लोग खाने की तैयारी कर रहे हैं, तुम गाना गाओ।जब मैं गा रहा था, तब कुछ लोग डिस्टर्ब करने लगे। मेरे दोस्तों में से किसी एक ने सामने वाले बंदे को धक्का दे दिया। मेरे दोस्त ने जिसे धक्का दिया, वो पुलिस का डिप्टी एसपी था। उसने फिर अपनी टुकड़ी को ये बोला कि इस घर में सारे आतंकवादी हैं। उसके बाद जो हम सब पर लाठियां बरसीं हैं, वो भयानक था। मुझे अपने ऊपर 200-250 लाठियां गिरने तक होश था, लेकिन उसके बाद मुझे कुछ याद नहीं रहा। उस लाठीचार्ज में मेरा सिर फट गया, मेरा हाथ टूट गया था। मैं डेढ़ महीने तक अस्पताल में रहा।मेरे जीवन में हर पंद्रह साल में एक बड़ा और अच्छा बदलाव आता है। मैं जगराता और भोजपुरी एल्बम के लिए काम कर रहा था। साल 2003 में मैंने भोजपुरी फिल्म 'ससुरा बड़ा पईसावाला' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। इस फिल्म से पहले तक मैं सिर्फ एक सिंगर था, लेकिन इसने मुझे स्टार बनाया और मेरी किस्मत बदल दी। मेरी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल ही कर दिया। 'ससुरा बड़ा पईसावाला' को बनाने में मात्र 30 लाख रुपए लगे थे, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 9 करोड़ रुपए की कमाई की। साल 2022 तक ये भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। चार-पांच महीने तक फिल्म थिएटर में लगी रही और हर शो हाउसफुल होता था। 2003 से 2014 तक मैंने कई फिल्में कीं। एक समय मैं भोजपुरी का सबसे महंगा एक्टर था। साल 2006 में मैंने फिल्म 'गंगा' की, जिसमें सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी दिखे। ये उनकी पहली भोजपुरी फिल्म थी।साल 2009 में भोजपुरी सिनेमा में बुलंदी देखने के बाद मैं राजनीति की तरफ मुड़ा। फिल्म और गानों की वजह से राजनीति से जुड़े लोगों से मिलना-जुलना होता रहता था। उस वक्त मैं किसी का भी प्रचार कर देता था। बाद में समझ आया कि मेरी विचारधारा क्या है, लेकिन जब तक ये समझ आया, उससे पहले मैं समाजवादी पार्टी के टिकट पर योगी आदित्यनाथ जी के खिलाफ चुनाव लड़कर हार देख चुका था। उस वक्त राजनीति में बेमन से आया था। बाद में एहसास हुआ कि राजनीति के प्रति उदासीन होना, देश, समाज और लोगों के प्रति मुंह मोड़ना है। इससे भागने के बजाय मैंने सही चुनाव किया और नरेंद्र मोदी जी के साथ खड़ा हुआ। बीजेपी मेरे लिए घर जैसी थी क्योंकि मैं 1991 से अखिल भारतीय परिषद से जुड़ा था। राजनीति में मेरी शुरुआत भले ही बेमन से और असफल रही थी, लेकिन जब मैंने बीजेपी जॉइन की तो यहां भी किस्मत ने साथ दिया। 2014 के लोकसभा चुनाव में मैंने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली से आप के उम्मीदवार को लगभग डेढ़ लाख वोटों से हराया। फिर 2016 में दिल्ली भाजपा का अध्यक्ष बना। पांच साल बाद मैंने इसी सीट से दिल्ली की सीएम और कद्दावर नेता शीला दीक्षित को साढ़े तीन लाख वोटों से हराया। ये जनता का प्यार और भगवती की कृपा थी।'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का गाना मेरे लिए वरदान था। मैं अनुराग कश्यप का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे मौका दिया। मैं रहने वाला बिहार का हूं और गाना मुझे जिया हो बिहार के लाला मिला। अपने लोगों, अपनी मिट्टी के लिए गाने का मौका मिला, इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा। पंचायत का हिंद का सितारा तो बड़े-बुजुर्ग क्या जेन ज़ी के बीच भी पॉपुलर है। मीम कल्चर का भी हिस्सा बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर गाना बनाया तो उसे भी बच्चा-बच्चा गा रहा है। मेरे गानों पर अश्लीलता का भी आरोप लगाया जाता है, लेकिन मैं जानता हूं कि मेरा कोई भी गाना ऐसा नहीं है, जिसे लेकर शर्मिंदगी हो। मेरे सारे गानों में एक थीम होती है। वर्तमान में दूसरे गायकों के कुछ गाने ऐसे आए हैं, जिन्हें सुनकर निराशा होती है, लेकिन मैं जल्द ही भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को बिठाकर इसका समाधान निकालूंगा।मुझे हराने के लिए विरोधियों ने साम, दाम, दंड, भेद सब किया। मुझ पर पर्सनल अटैक किए गए। जिन गानों की वजह से मैंने अपना नाम बनाया था, उनके जरिए मुझ पर निशाना साधा गया। मुझे बुरी तरह ट्रोल किया गया, मेरे ऊपर मीम बनाया गया। मेरे विरोधियों ने सारे हथकंडे अपनाए, लेकिन जनता-जनार्दन सब जानती है। मैंने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली लोकसभा सीट से तीसरी बार जीत हासिल की।

तलाक की खबरों के बीच भड़कीं एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा,बोलीं- मेरे नाम पर झूठी बातें न फैलाएं, मेरा जीवन आपका कंटेंट नहीं है

नयी दिल्ली। टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में नजर आ चुके एक्टर नील भट्ट और एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा इन दिनों पर्सनल लाइफ को

लेकर सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि दोनों की शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और वे अलग हो सकते हैं। इसी बीच ऐश्वर्या शर्मा ने एक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनके नाम पर गलत खबरें फैलाना बंद करें।ऐश्वर्या शर्मा ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, मैं अब तक चुप थी, क्योंकि मैं शांति चाहती थी, न कि इसलिए कि मैं कमजोर हूं। लेकिन कुछ लोग मेरे नाम पर झूठी बातें फैला रहे हैं, जो मैंने कभी नहीं कही। ऐसी कहानियां बना रहे हैं जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। बिना किसी सच के बस अपना फायदा उठाने के लिए मेरा नाम इस्तेमाल करना बहुत दुख देता है।' मैं साफ कर दूं, मैंने कोई इंटरव्यू, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है। अगर आपके पास कोई असली सबूत है। कोई मैसेज, ऑडियो या वीडियो जिसमें मैं ये बातें कह रही हूं तो दिखाइए। अगर नहीं है, तो कृपया मेरे नाम पर झूठी बातें फैलाना बंद कीजिए। मेरा जीवन आपका कंटेंट नहीं है। मेरी चुप्पी आपकी इजाज़त नहीं है। कृपया याद रखें, कोई चुप है, इसका मतलब यह नहीं कि उसके पास कहने को कुछ नहीं है। इसका मतलब है कि वह शोर के बजाय सम्मान को चुन रहा है।बता दें, सीरियल 'शो गुम है किसी के प्यार में' में नील और ऐश्वर्या की पहली मुलाकात हुई थी। इसी शो के दौरान दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। दोनों ने एक साल में ही शादी कर ली थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।